Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 276 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, शुक्रवार 25 अप्रैल 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

अहिंसा की ध्वजा जहां लहराती है, वहां सदा मंगलमय वातावरण रहता है।

Where the flag of nonviolence is hoisted there is always auspicious environment.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

पहलगाम आतंकी हमला **प्रधानमंत्री मोदी ने दिखाए तेवर**

हम धरती के अंतिम छोर तक उन आतंकियों का पीछा करेंगे : मोदी

प्रधानमंत्री ने किया आतंकवाद के खिलाफ खुली जंग का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ खुली जंग का ऐलान कर दिया है. पीएम मोदी ने कहा कि हम धरती के अंतिम छोर तक उन आतंकियों का पीछा करेंगे. न्याय दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा. पूरा देश इस दिशा में दृढ़ है. हर शख्स जिसका मानवता में विश्वास है, वो हमारे साथ है. शांति और सुरक्षा ये तेज विकास की सबसे जरूरी शर्त है.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहलगाम आतंकी हमले के बाद पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुए. बिहार के मधुबनी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने आतंकियों और आतंक की साजिश रचने वाले पाकिस्तान को सख्त संदेश दिया है. उन्होंने कहा कि जिन्होंने भी यह हमला किया है उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संबोधन की शुरुआत से पहले पहलगाम में मारे गए लोगों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी और वह माइक के सामने हाथ जोड़कर खड़े रहे. इसके बाद उन्होंने अपना संबोधन खत्म होने से पहले कहा, 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने मासूम देशवासियों को जिस बेरहमी से मारा है, उससे पूरा देश व्यथित है, कोटि-कोटि देशवासी दुखी हैं. सभी पीड़ित परिवारों के इस दुख में पूरा देश उनके साथ खड़ा है. पीएम मोदी ने आगे कहा, जिन परिवारजनों का अभी इलाज चल रहा है, वे जल्द स्वस्थ हों, इसके लिए भी सरकार हर प्रयास कर रही है. इस आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने अपना भाई खोया, किसी ने अपना जीवनसाथी खोया है. उनसे से कोई बांग्ला बोलता था, कोई मराठी था, को उड़िया, कोई गुजराती था कोई यहां बिहार का लाल था. उनकी मृत्यु पर कारगिल से कन्याकुमारी तक हमारा दुख एक जैसा है, हमारा आक्रोश एक जैसा है. इसके बाद पीएम मोदी ने कहा, हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ, देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुश्साहस किया है. इसके बाद पीएम ने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा, मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं, जिन्होंने यह हमला किया, उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को, उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी, सजा मिलकर के रहेगी. पीएम मोदी ने कहा कि अब आतंकियों की बची-कुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है, 140 करोड़ भारतीयों की इच्छा शक्ति अब आतंक के आकाओं की कमर तोड़कर रहेगी.

प्रधानमंत्री ने पूरी दुनिया को दिया कड़ा संदेश...युद्ध का कर दिया ऐलान?

प्रधानमंत्री मोदी ने अंग्रेजी में अपने बयान को दोहराया और पूरी दुनिया को मैसेज देते हुए कहा कि भारत आतंकियों की पहचान कर हर एक आतंकी और उनके आकाओं को सजा देकर रहेगा. पीएम मोदी ने कहा कि हम धरती के अंतिम छोर तक उन आतंकियों का पीछा करेंगे. प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत किसी भी कीमत पर आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा और हमले के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए हर मुमकिन कदम उठाया जाएगा. पीएम मोदी ने दुनिया के उन तमाम नेताओं का भी आभार जताया जो मुश्किल घड़ी में भारत के साथ खड़े हैं.

आतंकवादियों की कायराना हरकत से प्रदेश ने अपना बेटा खोया : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले में दिवंगत दिनेश मिरानिया के पार्थिव शरीर को दिया कंधा, अंतिम संस्कार में शामिल होकर दी श्रद्धांजलि

परिजनों से मुलाकात कर दिया सरकार की ओर से सहायता का भरोसा

परिजनों से मुलाकात कर दिया सरकार की ओर से सहायता का भरोसा

स्व. श्री मिरानिया के पावन स्मृतियों को सहेजने के लिए सरकार करेगी प्रयास

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में दिवंगत प्रदेश के कारोबारी श्री दिनेश मिरानिया के अंतिम संस्कार में शामिल होकर पार्थिव शरीर को कंधा दिया। उन्होंने स्वर्गीय श्री दिनेश मिरानिया के पार्थिव देह पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और ईश्वर से मृतात्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। श्री साय ने शोकाकुल परिवारजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि सरकार इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ खड़ी है और उन्हें हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। श्री साय ने कहा कि स्वर्गीय श्री मिरानिया के पावन स्मृतियों को सहेजने और चिर स्थायी बनाने लिए सरकार किसी सड़क या चौक को उनके नाम पर करने की बात कही।

श्री साय ने कहा कि आतंकवादियों की इस कायराना हरकत ने देश की आत्मा पर चोट किया है। पूरे प्रदेश के लिए भी यह दुख और पीड़ा का क्षण है। घिनौनी आतंकवादी घटना में प्रदेश ने अपना एक बेटा खो दिया है। उन्होंने कहा कि धारा 370 हटने से जम्मू कश्मीर में शांति स्थापित हुई, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिला और घाटी के विकास को गति मिली थी। आतंकवादियों ने पर्यटकों के जरिए कश्मीर और देश को अस्थिर करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि पूरा देश एकजुटता के साथ इस अमानवीय कृत्य का बदला लेगा। श्री साय ने कहा कि पाकिस्तान के शह पर हुई इस हमले का अंजाम उसे भुगताना पड़ेगा।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, वित्त मंत्री श्री ओ पी चौधरी, केंद्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू, विधायक श्री किरण देव, विधायक श्री राजेश मूणत और नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव समेत बड़ी संख्या में आम नागरिक मौजूद रहे।

पहलगाम : 5 आतंकियों की हुई पहचान, 3 पाकिस्तानी और 2 कश्मीरी शामिल

श्रीनगर (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले में शामिल 5 आतंकवादियों की पहचान कर ली गई है। इनमें 3 पाकिस्तानी नागरिक और 2 जम्मू-कश्मीर के निवासी बताए जा रहे हैं। अधिकारियों ने आतंकी हमले में शामिल लोगों को पकड़ने के प्रयास तेज कर दिए हैं।

जांच एजेंसियों ने तीन पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान की, जिनके नाम आसिफ फौजी (उपनाम मूसा), सुलेमान शाह (उपनाम यूनुस) और अबू तल्हा (उपनाम आसिफ) हैं। इसके अलावा, घाटी के दो अन्य आतंकवादियों की भी पहचान की गई, जिनमें अदिल गुरी, अनंतनाग के बिजबेहरा का स्थानीय निवासी, जो 2018 में पाकिस्तान गया था और पुलवामा का अहसन शामिल हैं। अहसन भी 2018 में पाकिस्तान गया था। जांचकर्ताओं की मानें तो कश्मीरी आतंकवादी हाल ही में पाकिस्तान से वर्षों के प्रशिक्षण के बाद भारत में घुसपैठ करके आए थे, लेकिन फौजी और शाह कुछ समय से जम्मू-कश्मीर में सक्रिय थे और पहले भी पूंछ सहित अन्य हमलों में शामिल थे।

आतंकवादियों के पोस्टर जारी, सूचना देने वालों को 20-20 लाख का इनाम

अनंतनाग (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को पर्यटकों पर हमला करने वाले संदिग्ध तीन आतंकवादियों के पोस्टर जारी किए हैं और सूचना देने वालों के लिए हर आतंकवादी पर 20-20 लाख रुपए के इनाम की घोषणा की है।

अनंतनाग पुलिस ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में तीन आतंकवादियों के पोस्टर जारी करते हुए कहा है कि आदिल हुसैन ठोकर, हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान और अली भाई उर्फ तल्हा भाई के बारे में जानकारी देने वाले को 20-20 लाख रुपए का इनाम मिलेगा। तीनों को लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का आतंकवादी बताया गया है और सभी तीनों पर 20-20 लाख रुपए का अलग-अलग इनाम रखा गया है।

पुलिस ने आतंकवादियों के बारे में सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखने का आश्वासन भी दिया है। जानकारी देने के लिए पुलिस ने संपर्क नंबर 9596777666 (एसएसपी अनंतनाग) और 9596777669 (पीसी अनंतनाग) जारी किए हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जनता से अपील की है कि यदि किसी को तीनों आतंकवादियों के बारे में कोई जानकारी मिले, तो वे तुरंत पुलिस से संपर्क करें।

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर में फंसे छत्तीसगढ़ के पर्यटकों की वापसी शुरू

रायपुर (विसं)। पहलगाम में आतंकी हमले, और फिर श्रीनगर-जम्मू हाईवे के बंद होने की वजह से कश्मीर में फंसे छत्तीसगढ़ के पर्यटकों की वापसी शुरू हो गई है। गुरुवार को सुबह बसों से कटरा, और जम्मू के लिए रवाना हुए। रामबन के पास चार दिन पहले बादल फटने से सड़क बहने के बाद जम्मू-श्रीनगर हाईवे बंद था। इसी बीच पहलगाम में आतंकी हमले में 28 पर्यटकों की मौत के बाद तनावपूर्ण माहौल में छत्तीसगढ़ के 65 पर्यटक श्रीनगर में फंसे थे। आज सुबह खबर आई है कि मरम्मत के बाद वन-वे ट्रैफिक शुरू हो गया है। श्रीनगर से पर्यटकों का कटरा और जम्मू के लिए निकलना शुरू हो गया है।

अटारी-वाघा बॉर्डर बंद, आवाजाही बंद, कई परिवारों को लौटाया गया

अटारी बॉर्डर (एजेंसी)। भारत सरकार ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद अटारी-वाघा बॉर्डर को तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला लिया है। इस निर्णय के तहत पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए गए हैं और उन्हें 48 घंटे के भीतर भारत छोड़ने का निर्देश दिया गया है। इस बीच, भोपाल के एक परिवार को, जो अपने रिश्तेदारों से मिलने पाकिस्तान जाने के लिए अटारी-वाघा बॉर्डर पहुंचा था, बीएसएफ ने वापस लौटा दिया।

भारत में पाकिस्तान सरकार का X अकाउंट ब्लॉक

नई दिल्ली (ए)। पाकिस्तान सरकार का X अकाउंट ब्लॉक कर दिया गया है, भारत के IT मंत्रालय के कहने पर एक्शन हुआ है। इस समय पहलगाम हमले के बाद पूरा देश आक्रोशित है, पाकिस्तान के खिलाफ किसी बड़े हमले की मांग कर रहा है। ऐसे में लगातार अलग-अलग स्तर पर पाकिस्तान को झटका देने के लिए सरकार की तरफ से फैसले लिए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने मधुबनी में 13,480 करोड़ रुपए की योजनाओं की दी सौगात

- प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस कार्यक्रम में हुए शामिल
- बिजली के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने बिहार में 1,170 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखी
- देशभर में रेल संपर्क को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को पीएम मोदी ने किया पूरा

बिहार (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को बिहार के एक दिवसीय दौरे के क्रम में मधुबनी पहुंचे। यहां उन्होंने झंझारपुर प्रखंड के लोहना उत्तर ग्राम पंचायत में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने रिमोट के जरिए 13,480 करोड़ रुपए से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने कई रेल परियोजनाओं की भी सौगात देशवासियों को दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस मौके पर बिहार के गोपालगंज जिले के हथुआ में लगभग 340 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले एक एलपीजी बॉटलिंग संयंत्र और रेल अनलोडिंग सुविधा की आधारशिला रखी। क्षेत्र में बिजली के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देते हुए उन्होंने बिहार में 1,170 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की आधारशिला रखी और पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना के तहत 5,030 करोड़ रुपए से अधिक की कई परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया।

देशभर में रेल संपर्क को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रधानमंत्री मोदी ने सहरसा और मुंबई के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस, जयनगर और पटना के बीच नमो भारत रैपिड रेल और पिपरा और सहरसा तथा सहरसा और समस्तीपुर के बीच ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने सुपौल पिपरा रेल लाइन, हसनपुर बिथान रेल लाइन और छपरा और बगहा में दो 2-लेन रेल ओवर ब्रिज का भी उद्घाटन किया। उन्होंने खगड़िया-अलौली रेल लाइन को भी राष्ट्र को समर्पित किया। बताया गया कि इन परियोजनाओं से कनेक्टिविटी में सुधार होगा और क्षेत्र का समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास होगा।

बिहार में एक लाख पीएमएवाई-जी और 54,000 पीएमएवाई-यू घरों के गृह प्रवेश को चिन्हित करते हुए पांच लाभार्थियों को चाबियां सौंपी उन्होंने दीनदयाल अंत्योदय योजना के तहत राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) के तहत बिहार के दो लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों को लगभग 930 करोड़ रुपए के सामुदायिक निवेश कोष के लाभ वितरित किए। इस अवसर पर पीएमएवाई-ग्रामीण के 15 लाख नए लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र भी दिए गए और देश भर के 10 लाख पीएमएवाई-जी लाभार्थियों को किस्तें जारी की गईं।उन्होंने बिहार में एक लाख पीएमएवाई-जी और 54,000 पीएमएवाई-यू घरों के गृह प्रवेश को चिन्हित करते हुए पांच लाभार्थियों को चाबियां सौंपी। इसके साथ ही कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली पंचायतों को मान्यता देने और प्रोत्साहित करने के लिए कई श्रेणियों में राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

लोकेश कावड़िया छत्तीसगढ़ नि:शक्तजन वित्त एवं विकास निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष, पदभार ग्रहण समारोह आज

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री लोकेश कावड़िया को छत्तीसगढ़ नि:शक्तजन वित्त एवं विकास निगम का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। शुक्रवार 25 अप्रैल को संध्या 04:30 बजे अटल बिहारी बाजपेयी सभागार, मेडिकल कॉलेज परिसर, रायपुर में पदभार ग्रहण एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया है, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े (मंत्री समाज कल्याण विभाग एवं महिला बाल विकास, छ.ग. शासन), अति विशिष्ट अतिथि ङ्क श्री रमन सिंह (अध्यक्ष, छ.ग. विधानसभा), श्री अरूण साव (उपमुख्यमंत्री, छ.ग. शासन), श्री विजय शर्मा (उपमुख्यमंत्री, छग शासन), होंगे।

विशिष्ट अतिथि ङ्क श्री किरण सिंह देव (भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक, जगदलपुर), श्री श्याम बिहारी जायसवाल (मंत्री, छ.ग. शासन), श्री केदार कश्यप (मंत्री, छ.ग. शासन), श्री ओ.पी. चौधरी (मंत्री, छ.ग. शासन), श्री टंकराम वर्मा (मंत्री, छ.ग. शासन), श्री बृजमोहन अग्रवाल (सांसद, रायपुर), श्री राजेश मूणत (विधायक, रायपुर पश्चिम), श्री सुनील सोनी (विधायक, रायपुर दक्षिण), श्री पुरंदर मिश्रा (विधायक, रायपुर उत्तर), श्री मोतीलाल साहू (विधायक, रायपुर ग्रामीण), श्रीमती मीनल चौबे (महापौर, रायपुर नगर निगम), श्री सूर्यकांत राठौर (सभापति, रायपुर नगर निगम) होंगे।

देश के मोस्ट वांटेड 300 नक्सली नेताओं को 5 हजार जवानों ने पहाड़ पर घेरा

छत्तीसगढ़-तेलंगाना-महाराष्ट्र बॉर्डर पर सबसे बड़ा ऑपरेशन

रायपुर (विसं)। तेलंगाना और छत्तीसगढ़ की सीमा पर नक्सलियों के खिलाफ भारत का सबसे बड़ा ऑपरेशन शुरू हुआ। देश के मोस्ट वांटेड 300 नक्सली नेताओं को घेरने के लिए बस्तर के बहादुर कमांडो और आंध्र के ग्रेहाउंड्स फोर्स के जवानों के साथ वायु सेना को भी शामिल किया गया है। इस ऑपरेशन में अब तक 5 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है।

दो दिन पहले ही ऑपरेशन के लिए अत्याधुनिक हथियारों से लैस वायु सेना के 17 के हेलिकॉप्टर जगदलपुर, बीजापुर, तेलंगाना, आंध्र और महाराष्ट्र में तैनात किए गए। ड्रोन के जरिए पूरे इलाके की निगहबानी की जा रही है। हेलीकॉप्टर के जरिए जवानों की खाद्य सामग्री भेजी जा रही है। इस ऑपरेशन पर छत्तीसगढ़ समेत देशभर की सुरक्षा एजिंसीयो की नजर टिकी हुई है। बीजापुर समेत महाराष्ट्र और तेलंगाना में पुलिस के आला अधिकारी मौजद हैं। तीन राज्यों से ऑपरेशन पर नजर रखी जा रही है। जवानों के निशाने पर करेरेगुट्टा और नीलम सराय पहाड़ी है, जहां बड़ी संख्या में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर नक्सल इतिहास के सबसे बड़े ऑपरेशन को लॉन्च किया गया।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस : मुख्यमंत्री साय ने किया 'अटल डिजिटल सुविधा केंद्र' का वर्चुअल शुभारंभ

- प्रदेश में मोदी की एक और गारंटी पूरी, डिजिटल सेवाओं की पहुंच अब गांव तक
- मुख्यमंत्री ने मोर गांव-मोर पानी महाअभियान का शुभारंभ कर जल संरक्षण दिलाई शपथ
- प्रदेश के 11 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में चलेगा जल संरक्षण अभियान

रायपुर (विश्व परिवार)। त्रि स्तरीय पंचायती राज संस्थाएं ग्रामीण विकास की मूल कड़ी हैं। मैं पांच साल पंच रहा और निर्विरोध रूप से सरपंच का दायित्व संभालने का अवसर भी मिला। अपनी ज़िम्मेदारी निभाते हुए यदि आप अच्छा काम करेंगे तो जनता का स्नेह हमेशा मिलेगा और गांव के विकास में आप बड़ी भूमिका निभा पाएंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर से 'अटल डिजिटल सुविधा केंद्र' का वर्चुअल शुभारंभ कर पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों को संबोधित करते हुए यह बातें कही। उन्होंने कहा कि पंचायती राज दिवस के खास मौके पर शुरू हुई इस योजना से छत्तीसगढ़ के ग्रामीण इलाकों में डिजिटल क्रांति आएगी और प्रदेश के सरकारी सेवाओं और योजनाओं की पहुंच आम लोगों तक सुगम होगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने जल संरक्षण के उद्देश्य से प्रदेश के 11 हजार 693 ग्राम पंचायतों में मोर गांव मोर पानी महाअभियान का शुभारंभ कर पंचायत प्रतिनिधियों और नागरिकों से जल संरक्षण का आह्वान करते हुए शपथ दिलाई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पंचायतें हमारे लोकतंत्र की जड़ें हैं और इन्हें मजबूत करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ की जनता से वादा किया था कि ग्राम पंचायतों में नगद भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि ग्रामीणों को बैंक शाखाओं तक न जाना पड़े। आज मोदी की इस गारंटी को पूरा करते हुए अटल डिजिटल सुविधा केंद्र का शुभारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारे बुजुर्ग पेंशनधारी, महतारी वंदन योजना से लाभान्वित माताएं बहनें, अन्नदाता किसानों को पीएम किसान निधि समेत डीबीटी से प्राप्त राशि के आहरण की सुविधा अब गांव में ही मिलने लगेगी। श्री साय ने कहा कि ग्रामीणों को अब लंबी दूरी तय कर बैंक नहीं जाना पड़ेगा और समय के साथ-साथ उनके आने-जाने में खर्च होने वाली राशि की भी बचत होगी। जाति, निवास, जन्म, मृत्यु प्रमाणपत्र, पेंशन योजनाएं, राशन कार्ड जैसी सरकारी सेवाएं भी ग्रामीणों के लिए आसान और सुगम हो जाएंगी। श्री साय ने विश्वास जताया कि यह योजना डिजिटल इंडिया मिशन को जमीनी स्तर पर मजबूती देगी।

पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने पहलगाम आतंकी हमले को झीरम कांड से जोड़ा, कहा- दोनों जगह सुरक्षा नहीं थी

भिलाई (विसं)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए दर्दनाक आतंकी हमले को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज एक प्रेस वार्ता कर कड़ी निंदा की. उन्होंने कहा कि इस हमले ने न सिर्फ 27 परिवारों को उजाड़ दिया, बल्कि पूरे देश को शोक में डुबो दिया है. बघेल ने इस आतंकी घटना को 'झीरम घाटी की घटना' से जोड़ते हुए केंद्र सरकार की नाकामी पर सवाल उठाए. वहीं संविधान बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी की ओर से आयोजित की जा रही 'संविधान बचाओ रैली' पर भी विस्तृत चर्चा की और भाजपा की आलोचना की. भिलाई के एक निजी होटल में आज पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए पहलगाम की दुखद घटना पर गहरी पीड़ा व्यक्त की. उन्होंने कहा कि इस आतंकी हमले से देश की 140 करोड़ जनता व्यथित है.उन्होंने कहा कि इस आतंकी हमले में 27 परिवार उजड़ गए. जो लोग खुशी के पल बिताने गए थे, वे अब दुखी होकर लौटे हैं. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की ओर से इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कल ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा एक निंदा प्रस्ताव पारित किया गया है.

दैनिक
विश्व परिवार

रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार

रायपुर, शुक्रवार 25 अप्रैल 2025

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

उद्योग एवं व्यापार को बढ़ावा देने छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम, 1984 में बड़ा बदलाव

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम, 1984 में किए सुधार के चलते अब उद्योग एक ही भू-खंड पर दोगुना निर्माण कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की विशेष पहल पर हुए इस संशोधन से राज्य में उद्योगों एवं व्यावसायिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। छत्तीसगढ़ भूमि विकास नियम में संशोधन 24 दिसंबर 2024 को अधिसूचित किए गए हैं। फ्लैटेड इंडस्ट्रीज़ के लिए फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) को 1.5 से बढ़ाकर 3.0 किया गया है, जिससे उद्योग एक ही भूखंड पर अब दोगुना निर्माण कर सकेंगे। इससे विशेष रूप से एमएसएमई और स्टार्टअप्स को कम लागत में अधिक उपयोग योग्य स्थान उपलब्ध होगा। औद्योगिक प्लॉट्स के लिए ग्राउंड कवरेज को 60 प्रतिशत से बढ़ाकर 70 प्रतिशत कर दिया गया है। इसके साथ ही सेटबैक में कमी की गई है, जिससे ज़मीन का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित हो सकेगा। नगर पालिका क्षेत्रों और विकास प्राधिकरण क्षेत्रों में व्यावसायिक भवनों के लिए न्यूनतम 5.0 एफएआर निर्धारित किया गया है। जिन भूखंडों का क्षेत्रफल 5 एकड़ या उससे अधिक है और जिन तक 100 मीटर चौड़ी सड़क की पहुँच है, उन पर एफएआर 5.0 लागू होगा। यदि ये भूखंड सेंट्रल बिजनेस डिस्ट्रिक (सीबीडी) या ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवल्पमेंट (टीओडी) ज़ोन में आते हैं, तो उन्हें अतिरिक्त 2.0 एफएआर की अनुमति होगी, यानी कुल एफएआर 7.0 तक हो सकेगा।

नक्सली पति-पत्नी ने कवर्धा में किया सरेंडर

कवर्धा (विसं)। सुरक्षाबलों की सख्त कार्रवाई और नई और बेहतर पुर्नवास नीति ने बहुत से नक्सली आत्मसमर्पण का रास्ता अख्तियार कर रहे हैं. इसी कड़ी में 5-5 लाख रुपए के इनामी नक्सली रमेश उर्फ आटम गुड्डू और उसकी पत्नी सविता उर्फ लच्छी पोयम ने कबीरधाम पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है. 29 वर्षीय रमेश प्लाटून नंबर 01, एमएमसी जोन, जीआरबी डिवीजन कमेटी का सक्रिय सदस्य था, जबकि उसकी पत्नी 21 वर्ष सविता टांडा एरिया कमेटी में कार्यरत थी. दोनों पिछले 8 वर्षों से एमएमसी क्षेत्र में नक्सली गतिविधियों में शामिल थे. साल 2019 में थाना भोरमदेव क्षेत्र के बकोदा जंगल में मुठभेड़ के दौरान रमेश घायल भी हुआ था. संगठन में रहते हुए रमेश के पास 12 बोर बंदूक और सविता के पास 8 एमएम रायफल थी. आत्मसमर्पण के बाद दोनों को सरकार की पुनर्वास नीति के तहत सभी सुविधाएं दी जाएंगी.

महापौर अचानक पहुँची न्यू बस स्टैंड रैन बसेरा,व्यवस्था का लिया जायजा

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने न्यू बस स्टैंड में संचालित रैन बसेरा का आकस्मिक निरीक्षण किया।वहां की व्यवस्थाओं व सुविधाओं का जायजा लिया तथा व्यवस्थाओं को और अधिक बेहतर बनाने के सख्त निर्देश दिए।उन्होंने रैन बसेरा में रात्रि विश्राम हेतु ठहरे हुए लोगों से भी भेंट की तथा रैन बसेरा में उपलब्ध सुविधाओं पर उनसे चर्चा की।महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने रैन बसेरा के भीतर जाकर सभी जगहों का निरीक्षण किया, मौके पर बाथरूप में सफाई व्यवस्था सही नही पाए जाने पर रैन बसेरा के संचालक पर नाराजगी जाहिर करते हुए जमकर फटकार लगाई कहा सफाई व्यवस्था बेहतर बनाकर रखें।इस निरीक्षण के दौरान एनआईसी सदस्य देवनारायण चन्द्राकर,शेखर चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर,पार्षद गोविंद्र देवांगन,लोकेश्वरी,सावित्री दमाहे के अलावा बाजार अधिकारी शुभम गोइर,ईश्वर वर्मा,शशिकांत यादव स्थित अन्य मौजूद रहे।

कृषि महाविद्यालय के विद्यार्थियों और किसानों को मिलेगा ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण

कृषि विश्वविद्यालय में ड्रोन प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना होगी

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय और कैटेलिस्ट फाउंडेशन के बीच हुआ समझौता

रायपुर (विश्व परिवार)। कृषि के क्षेत्र में ड्रोन की बढ़ती उपयोगिता एवं अनुप्रयोग को देखते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कृषि अनुसंधान, नवाचार और विस्तार को बढ़ावा देने के लिए आज यहां कैटेलिस्ट फाउंडेशन नामक संस्था के साथ समझौता किया गया। इस समझौते के तहत इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों, युवाओं एवं किसानों को ड्रोन संचालन, रख-रखाव, मरम्मत और ओवर हॉलिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण सात से दस दिवस का होगा जिससे विद्यार्थियों को कृषि में ड्रोन अनुप्रयोग के क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल की उपस्थित में सम्पन्न समझौता ज्ञापन पर स्वामी विवेकानंद कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. विनय कुमार पाण्डेय एवं कैटेलिस्ट फाऊंडेशन की ओर से पुष्पराज पाण्डेय ने हस्ताक्षर किये। समझौते के तहत छत्तीसगढ़ में छात्रों और युवाओं को ड्रोन संचालन और प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण और प्रमाणन की सुविधा के लिए भारत सरकार के महानिदेशक नागरकि उड्यन के निर्देशों के अनुरूप कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय में एक दूरस्थ पायलट प्रशिक्षण संगठन इकाई की स्थापना की जाएगी।

अनुबंध समारोह को संबोधित करते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपित डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में ड्रोन का उपयोग निरंतर बढ़ता जा रहा है और आजकल खेतों में बीज बुआई से लेकर खाद एवं दवाओं के छिड़काव तथा फसलों की निगरानी आदि के लिए ड्रोन का प्रयोग किया जा रहा है और इस क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विद्यार्थियों को रोजगारमूलक पाठ्यक्रमों से जोड़ने के प्रयास किये जा रहे हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा भी कृषि विश्वविद्यालयों में कृषि में ड्रोन प्रौद्योगिकी के उपयोग पर सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने पर जोर दिया जा रहा है। देश में अब तक तीन कृषि विश्वविद्यालयों में ड्रोन प्रौद्योगिकी पर सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ किये गये हैं और इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ड्रोन प्रौद्योगिकी पर सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने वाला चौथा कृषि विश्वविद्यालय बन गया है। कैटेलिस्ट फाऊंडेशन, रायपुर के अध्यक्ष श्री पुष्पराज पाण्डेय ने कहा कि बहुत से संस्थानों द्वारा कृषि के क्षेत्र में ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है और इस क्षेत्र में कुशल ड्रोन ऑपरेटरों की काफी कमी है। युवाओं को दस दिवसीय प्रशिक्षण मिलने से उनके लिए रोजगार के नये अवसर पैदा होंगे।

आज हुए समझौते के तहत विशेष रूप से ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को लक्षित करते हुए कृषि ड्रोन संचालन, प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण, ड्रोन के रखरखाव, मरम्मत और ओवरहालिंग (एमआरओ) सहित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संयुक्त संचालन किया जाएगा। कृषि में ड्रोन के अनुप्रयोगों अनुसंधान, नवाचार और विस्तार को बढ़ावा देने के लिए कृषि विश्वविद्यालय में बुनियादी ढांचे और संसाधन सुदृढ़ीकरण का विकास किया जाएगा। कृषि में ड्रोन प्रौद्योगिकी के उपयोग के लिए आईसीएआर के निर्देशों और राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप क्षमता निर्माण और कौशल वृद्धि किया जाएगा। कैटेलिस्ट फाउंडेशन के उद्योग और क्षेत्र के विशेषज्ञों के सहयोग से छात्रों के लिए प्लेसमेंट और व्यावहारिक प्रदर्शन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर कृषि महाविद्यालय, रायपुर के अधिष्ठाता डॉ. जी.के. दास, खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. दवे, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा, निदेशक विस्तार डॉ. एस.एस. टुटेजा, निदेश प्रक्षेत्र एवं बीज डॉ. राजेन्द्र लाकपाले सहित प्राध्यापक एवं वैज्ञानिक उपस्थित थे।

बलौदाबाजार प्रेस क्लब का हुआ गठन, नरेश गनशानी बने अध्यक्ष, सचिव बने दलजीत चावला

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। पत्रकारिता जगत के लिए एक अहम क्षण में, बलौदाबाजार प्रेस क्लब का पुनर्गठन 24 अप्रैल को प्रेस क्लब भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान सम्पन्न हुआ। स्थानीय पत्रकारों की वर्षों पुरानी माँग को दृष्टिगत रखते हुए यह बैठक सर्वसम्मति से क्लब की नई कार्यकारिणी के गठन के लिए बुलाई गई थी। इस ऐतिहासिक निर्णय को पत्रकारिता की संगठनात्मक सशक्तता और सामाजिक उत्तरदायित्व के नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है।

तीन वर्षों तक कमान पदाधिकारी के नाम : अध्यक्ष- नरेश गनशानी, उपाध्यक्ष- निशान्त श्रीवास्तव एवं दिलीप माहेश्वरी, सचिव- दलजीत सिंह चावला, सह सचिव- विजय शंकर तिवारी एवं प्रीतलाल कुर्रे, कोषाध्यक्ष- राजेश्वर गिरी, कार्यकारिणी सदस्य- देवेश साहू, आभाष शर्मा, चतुर मूर्ति वर्मा, लकेश बघेल, लंकेश्वर बघेल, श्रवण ध्रुव, मिथिलेश वर्मा। संरक्षक मंडल- पुरुषोत्तम नत्थानी, एस. एम. पाध्ये सर, विद्याधर तिवारी। सलाहकार समिति- संजय श्रीवास, उमेश बाजपेई, राघवेंद्र सिंह, सुदेश साहू, डॉ. देवेंद्र साहू।

संगठन की एकजुटता पर बल : नवनिर्वाचित अध्यक्ष नरेश गनशानी ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा, ञबलौदाबाजार में लंबे समय से पत्रकारों में संगठनात्मक समरसता की कमी थी, जिससे कई महत्वपूर्ण सामाजिक व प्रशासनिक मुद्दे दबे रह गए। अब, इस प्रेस क्लब के गठन से हम एकजुट होकर जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रेस क्लब का प्रत्येक सदस्य सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता और निर्भीकता के साथ पत्रकारिता करेगा, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में सार्थक कदम उठाए जा सकें।

सामूहिक संकल्प का प्रदर्शन : बैठक के अंत में उपस्थित सभी पत्रकारों ने एकजुट होकर यह संकल्प लिया कि वे अपने नैतिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए, निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता के सिद्धांतों का पालन करेंगे।

संपूर्ण पत्रकारिता जगत में उल्लास : प्रेस क्लब के नए स्वरूप और कार्यकारिणी के गठन को लेकर जिले भर के पत्रकारों में उत्साह और आशा की लहर है। यह उम्मीद की जा रही है कि यह नया संगठन बलौदाबाजार की जनता की आवाज को सशक्त और प्रभावी मंच प्रदान करेगा।आज बलौदाबाजार प्रेस क्लब गठन में मुख्य रूप से पदाधिकारी के साथ नरेश गनशानी, दलजीत सिंह चावला, निशांत श्रीवास्तव, दिलीप माहेश्वरी, विजय शंकर तिवारी, प्रीत लाल कुर्रे, राजेश्वर गिरी, देवेश साहू,आभास शर्मा, लकेश बघेल, लंकेश्वर बघेल, श्रवण ध्रुव, चतुरमुर्ती वर्मा, मिथिलेश वर्मा, राघवेंद्र सिंह, ताराचंद कठोत्रे, सुरेंद्र कुमार बघेल, धर्मेंद्र मांडले, मोहित मरकाम, संतोष यादव, पुष्पकांत मेजर, धर्मेंद्र मांडले, चंदन सिंह, राजकुमार वलेचा, सुनील हिरवानी, देवेंद्र साहू, उमेश बाजपेई, सुदेश साहू, संजय श्रीवास, इलियास खान सहित बड़ी संख्या में पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

सुशासन तिहार का असर: आवेदनों पर कार्रवाई शुरू

रायपुर (विश्व परिवार)। सुशासन तिहार के अंतर्गत आमजनों की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। इस पहल के पहले चरण में नागरिकों से उनकी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए, जबकि दूसरे चरण में इन समस्याओं के निराकरण की प्रक्रिया तेज़ी से जारी है। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जिले के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए कार्य कर रहे हैं।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /20269/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 24-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20269
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801O00358** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **M/S RAJA VATIKA DUWARA SARDAR SHREE AMOLAK SINGH , INDRAPAL SINGH , GURJEET SINGH S/O HARVANSH SINGH , BHUPENDRA SINGH S/O SURJEET SINGH BHATIYA SUBHAM ADHLKHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **JYOTI THAKUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SURESH THAKUR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाम्बरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /20268/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 24-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20268
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801O00311** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **M/S SHREE RAM VIHAR PATNER. PAVAN KUMAR AGRAWAL** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAMKUMAR AGRAWAL** के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **SHAILESH KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHUSHIL KUMAR SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाम्बरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /20270/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 24-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20270
वार्ड का नाम- 01 - वीर सावरकर नगर वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 01 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR801O00359** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **M/S RAJA VATIKA DUWARA SARDAR SHREE AMOLAK SINGH , INDRAPAL SINGH , GURJEET SINGH S/O HARVANSH SINGH , BHUPENDRA SINGH S/O SURJEET SINGH BHATIYA SUBHAM ADHLKHA** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **JYOTI THAKUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SURESH THAKUR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाम्बरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /20282/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 24-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20282
वार्ड का नाम- 21 - शहीद भगत सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 21 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR813B00880** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **S. SRINIVAS REDDY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S. PRASAD RAO** के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **SUNIL MENON** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ONAT RAMAN KUTTI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाम्बरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /20285/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 24-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20285
वार्ड का नाम- 21 - शहीद भगत सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 21 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR813B00941** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PARAMJIT KAUR** पिता/पति, श्री/श्रीमती ... के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **RAJBIR SINGH SAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE BHAGWAT SINGH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाम्बरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /20286/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2025
रायपुर, दिनांक 24-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20286
वार्ड का नाम- 21 - शहीद भगत सिंह वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 21 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR813B01063** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BHARATENDU PRASAD TIWARI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **VINAYAK PRASAD** के नाम से दर्ज, जिसको श्री/श्रीमती **RAMTIRTH SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE VINAYAK PRASAD SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाम्बरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 987 दिनांक 24.04.2025
वार्ड का नाम- जय बुढ़ादेव वार्ड
वार्ड क्र. 27 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 27 मांग **पंजी क्र. 192 युआईडी 25447** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **ओमकार वैष्णव / भूषण दास वैष्णव** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **योगेश्वरी वैष्णव / अंकित कुमार / राघुवेन्द्र दास / करूणा बाई वैष्णव सभी पिता / पति स्व. ओंकारदास वैष्णव** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **24-05-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 988 दिनांक 24.04.2025
वार्ड का नाम- जय बुढ़ादेव वार्ड
वार्ड क्र. 27 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 27 मांग **पंजी क्र. 192 युआईडी 25447** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **योगेश्वरी वैष्णव / अंकित कुमार / राघुवेन्द्र दास / करूणा बाई वैष्णव सभी पिता / पति स्व. ओंकारदास वैष्णव** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **नंदकिशोर जगत / छबिराम जगत** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **24-05-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 989 दिनांक 24.04.2025
वार्ड का नाम- मां परमेश्वरी वार्ड
वार्ड क्र. 25 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 25 मांग **पंजी क्र. 65 युआईडी 24601** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **स्व. दयाराम घृतलहरे / बल्लू राम घृतलहरे** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **चितरंजन घृतलहरे / स्व. दयाराम घृतलहरे** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **24-05-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 990 दिनांक 24.04.2025
वार्ड का नाम- सुन्दर ला शर्मा वार्ड
वार्ड क्र. 20 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 20 मांग **पंजी क्र. 276 युआईडी 22165** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **विवेक प्रसाद गुप्ता / सुरेश प्रसार** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **तृप्ति तिवारी / अशोक तिवारी** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **24-05-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 991 दिनांक 24.04.2025
वार्ड का नाम-माधव राव सप्रे वार्ड
वार्ड क्र. 19 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 19 मांग **पंजी क्र. 899 युआईडी 38170** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **चंद्रभान उपाध्याय / संजय उपाध्याय** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **सबिता बेहेरा / दिलीप कुमार बेहेरा** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **24-05-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./20069/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 24-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20069
वार्ड का नाम- 60-चंद्रशेखर आजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-**RPR652B00051** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती SHYAM RATAN CHATURVEDI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DINDAYAL CHATURVEDI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SUNITA SHARMA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O AMAR SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **MALMA BIKRINAMA/** वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./20071 /न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 24-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20071
वार्ड का नाम- 60-चंद्रशेखर आजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652A00061** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती MEHAROON NISHA WARSI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOHAMMAD NASIM** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती ASGARI BEGUM पिता/पति, श्री/श्रीमती W/O MOHAMMAD YUSUF** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख /** वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./20125 /न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2025
रायपुर दिनांक : 24-04-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20125
वार्ड का नाम- 60-चंद्रशेखर आजार वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 60 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR652G01018B** जो कि निगम अभिलेख में **श्री/श्रीमती JAVED KHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **FARID KHAN** के नाम से दर्ज है, जिसको **श्री/श्रीमती SAYRA BANO पिता/पति, श्री/श्रीमती D/O SHAMSHER KHAN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर शुक्रवार 25 अप्रैल 2025

अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों से नागरिकों को मिलेगी एक ही स्थान पर अनेक सेवाएं

सुरजपुर जिला के 60 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र का हुआ शुभारंभ

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- जिले के ग्राम पंचायतों में आज राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा बिहार के मधुबनी से वर्चुअल माध्यम से देश को संबोधित किया गया, जिसका सीधा प्रसारण ग्राम पंचायतों में किया गया। साथ ही मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का भी वर्चुअल संदेश प्रसारित हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा ग्राम पंचायतों को भू जल संरक्षण के लिए संकल्प भी दिलाया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने इस योजना को लेकर उपस्थित ग्राम वासियों एवं महतारी वंदना योजना के हितग्राही से सीधा संवाद भी किया।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने सभी को पंचायती राज दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र के द्वारा अब पंचायत में ही महतारी वंदना योजना की राशि निकाली जा सकती है। उन्होंने बताया कि जिले में प्रथम चरण के तहत विभिन्न विकास खण्डों के 60 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र का शुभारंभ हुआ। इस केन्द्र की स्थापना का उद्देश्य ग्रामीणों को पंचायत स्तर पर ही एक ही छत के नीचे सभी आवश्यक डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराना है।

उन्होंने कहा कि नागरिक सुविधाओं को सरल और सुगम बनाने के उद्देश्य से अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों की स्थापना की गई है। इन केंद्रों के माध्यम से आमजन को जन्म एवं मृत्यू पंजीयन एवं प्रमाण पत्र, आय, निवास एवं जाति प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। इसके अतिरिक्त वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने हेतु इन केंद्रों पर नगद आहरण, फंड ट्रांसफर, जीवन, सामान्य एवं कृषि बीमा, पेंशन योजनाएं और पैन कार्ड से जुड़ी सेवाएं भी प्रदान की जाएंगी। साथ ही सरकारी योजनाओं के पंजीयन, पासपोर्ट आवेदन, बिजली बिल भुगतान, यात्रा टिकट बुकिंग तथा ई-डिस्ट्रिक्ट सेवाओं के माध्यम से प्रमाण पत्रों की सुविधा भी इन केंद्रों पर उपलब्ध कराई जाएगी।

यह सुविधा न केवल ग्रामीणों की समय और संसाधनों की बचत करेगी बल्कि उन्हें शहरों जैसी डिजिटल सुविधाएं भी उपलब्ध कराएगी। सरकार की यह योजना गांवों के विकास और आत्मनिर्भरता को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक प्रभावी कदम है।

यह जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम ग्राम पंचायत भैयाथान में आयोजित किया गया। इस दौरान अटल डिजिटल सुविधा केंद्र के माध्यम से महिला हितग्राहियों द्वारा पैसे का आहरण भी किया गया।

इस दौरान जिला पंचायत सदस्य श्री अखिलेश प्रताप सिंह, सरपंच भैयाथान, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, डीडी पंचायत सहित अन्य जनप्रतिनिधि, ग्रामीण जन एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

बस्तामुक्त विद्यालय माध्यमिक शाला रुनियाडीह में विश्व पृथ्वी दिवस पर पेड़-पौधों पर क्यू आर कोड लगा, कार्यक्रम मनाया गया

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- क्षेत्र के प्रथम बस्तामुक्त विद्यालय शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में विश्व पृथ्वी दिवस कार्यक्रम मनाया गया। संस्था प्रमुख एवं संस्था के यूथ एवं इको क्लब के प्रभारी सीमांचल त्रिपाठी द्वारा बताया गया कि विश्व पृथ्वी दिवस कार्यक्रम अंतर्गत समस्त प्राथमिक, माध्यमिक, हाई स्कूल तथा हायर सेकेंडरी स्कूलों में कक्षा पहली से बारहवीं तक के अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए 22 से 30 अप्रैल तक विभिन्न प्रकार के गतिविधियों का आयोजन कर उसे आनलाईन किया जाएगा। संस्था में विश्व पर्यावरण दिवस पर किचन गार्डन सहित स्कूल प्रांगण की साफ-सफाई कर पेड़ों और पौधों के ऊपर क्यू आर कोड लगाकर उनकी पहचान, वैज्ञानिक नाम की जानकारी, महत्व एवं लाभ के बारे में जानकारी दी गई। क्यू आर कोड को लैमिनेटेड कर पेड़ों पर टांगना है ताकि जनमानस जब इसे स्कैन करें, तो उन्हें सारी जानकारी आसानी से पाए। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संतुलन में सहयोग करने, अधिकाधिक पौधरोपण करने एवं उन्हें कर्तन से बचाने हेतु हमें प्रेरित करना है ताकि हम जनमानस को प्रेरित कर सके। इस दौरान संस्था में पदस्थ शिक्षक रिजवान अंसारी, श्रीमती एम. टोप्पो, पूनम गुप्ता, मध्याह्न भोजन सहायिका सुमित्रा राजवाड़े, नान दईया, बाल कैबिनेट के मंत्री, करण विश्वकर्मा अध्यक्ष यूथ एवं इको क्लब सहित विभिन्न पदाधिकारी, टिकेश्वरी राजवाड़े, पायल, वर्षा सिंह टेकाम, खुशी सिंह, बुधियारो राजवाड़े, दीपक, घरभरन, रुपा सिंह, कैलाश व रोशनी सिंह उपस्थित रहे।

गजाधरपुर में नीलगिरि के पेड़ों की अवैध कटाई पर राजस्व अमले ने की कार्यवाही

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)-ग्राम गजाधरपुर में आज नीलगिरि के दो पेड़ों की अवैध कटाई और उनके परिवहन का मामला सामने आया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमार साय द्वारा नीलगिरि के दो पेड़ों को कटवाकर ट्रैक्टर के माध्यम परिवहन किया जा रहा था। जिसकी सूचना प्राप्त होने पर हल्का पटवारी और राजस्व निरीक्षक लटोरी द्वारा ट्रैक्टर को रोका गया इस दौरान ड्राइवर गाड़ी छोड़कर भाग गया ।इसके पश्चात ट्रैक्टर में प्राप्त अवैध लकड़ी को ट्रैक्टर सहित जब्त कर लिया गया है। मामले पर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

35 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ महिला गिरफ्तार

बिलासपुर(विश्व परिवार)। मामले के संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि चेतना विरुद्ध नशा व प्रहार अभियान के तहत अवैध शराब बिक्री करने वाले के विरुद्ध कार्यवाहीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह (भा.पु.से.) द्वारा निर्देशित किया गया है। दिनांक 23.04.2025 को जरिये मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम टेंगनमाडा में अवैध रूप से धनार्जन करने के उद्देश्य से कच्ची महुआ शराब बिक्री कर रहे है रखे हैं, मुखबिर से प्राप्त सूचना से वरिष्ठ अधिकारिओ को अवगत कराया गया जिनके निर्देशानुसार व मती अर्चना झा (रा. पु.से.) अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं मती नुपूर उपाध्याय (रा.पु.से.) अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कोटा के मार्गदर्शन में टीम गठित कर ग्राम टेंगनमाडा में रेड कार्यवाही करते हुये अवैध महुआ शराब बिक्री करने वाले पर रेड कार्यवाही कर आरोपिया आभा पति बबलू राय उम्र 38 वर्ष निवासी टेंगनमाडा करवा चौकी बेलगहना चौकी बेलगहना

फ्रॉड एवं अपराधी प्रवृत्ति के लोगों से रहे दूर आशंका होने पर पुलिस थाना को दे तत्काल सूचना -टीआई नरेंद्र सिंह

ग्राम कंदरई में जयनगर पुलिस ने लगाया चलित थाना नागरिकों में चलाया जागरूकता

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- जयनगर पुलिस ने अपराधियों से सतर्क रहने के लिए आज दूसरे दिन भी ग्राम पंचायत कंदरई में चलित थाना लगाकर सरपंच के नेतृत्व में ग्रामीणों का महत्वपूर्ण बैठक लेकर अपराधियों से सतर्क रहने की अपील की साथ ही मोबाइल क्रमांक +91 98263 16383: सरपंच अजय सिंह,उप सरपंच नेतलाल राजवाड़े,+91 98263 16383: थाना प्रभारी जयनगर नरेंद्र सिंह के नंबर पर डायल कर अपराधी प्रवृत्ति के लोगों, अपरिचित, संदेही लोगों को सूचना देने की बात कही। थाना प्रभारी टीआई नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में चलित थाना का आयोजन दुरुस्त गांव राजापुर व ग्राम कासल गिरी में किया गया जहां ग्राम वासियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधियों को साइबर फ्रॉड, बाल विवाह, बिना लाइसेंस के गाड़ी चलाना, बिना हेलमेट के गाड़ी चलाना ,नया कानून व मोबाइल फ्रॉड के विषय सहित अन्य अपराधी मामलों की जानकारी दी गई। टी ने ग्रामीणों को बताया गया कि जयनगर थाना में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक रघुवंश सिंह के मोबाइल नंबर+91 98263 16383 पर संपर्क करने से तत्काल ग्रामीणों को लाभ मिल सकता है अत: इस नंबर पर फोन कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं इस चलित थाना में थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह साहित सहायक उप निरीक्षक केश्वर मरावी , रघुवंश सिंह, प्रधान आरक्षक, दीपक दुबे, नंदकिशोर राजवाड़े , आरक्षक सुरेश साहू, महिला आरक्षक चन्दा सिंह सहित ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

विद्यार्थियों को संभाग के विभिन्न शैक्षणिक व वैज्ञानिक स्थलों का कराया गया भ्रमण

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-राज्य परियोजना समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़ रायपुर के आदेशानुसार पीएम विद्यालयों के कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय अविष्कार अभियान के अंतर्गत शैक्षणिक भ्रमण कराया जा रहा है। पीएम श्री नवापारा सूरजपुर के विद्यार्थियों को सरगुजा संभाग के विभिन्न शैक्षणिक व वैज्ञानिक स्थलों का भ्रमण कराया गया। भ्रमण टीम का संचालन प्राचार्य श्री मनोज कुमार झा एवं समस्त स्टॉप के नियंत्रण एवं नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस दरम्यान छात्रों ने कृषि विज्ञान केंद्र में मुर्गी पालन, एकीकृत सब्जी उत्पादन एवं बागवानी तकनीकों का अवलोकन किया। भ्रमण के अगले चरण मे आकाशवाणी अंबिकापुर का दौरा किया गया जहां छात्रों को स्टूडियो, ऑन एयर प्रसारण की समस्त टेक्निकल चीजों को दिखाया एवं इंजीनियर भगत सर के द्वारा समझाया गया। तत्पश्चात संग्रहालय में उत्खनन से प्राप्त पुरातात्विक शिलोको एवं प्राचीन मूर्तियों का अवलोकन किया गया। अंत में संजय पार्क का दौरा किया गया जहां छात्रों ने विभिन्न प्रजाति के पेड़-पौधे जीव-जंतु, पक्षी आदि की जानकारी प्रत्यक्ष अवलोकन कर प्राप्त की।

करोड़पति बनाने का झांसा देकर ठगे 14.9 लाख-गिरफ्तार

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिले में जमीन से हंडा (गड़ा धन) निकाल तंत्र-मंत्र से उसके अंदर से सोना निकालकर करोड़पति बनाने का झांसा देकर नकटीखार के कथित तांत्रिक पर 14.9 लाख की ठगी करने का आरोप लगा है। सूरजपुर पुलिस ने कथित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। घटना पड़ोसी जिला सूरजपुर में वर्ष 2022 में हुई थी, जहां के ग्राम खोंड़, थाना रमकोला निवासी ने जून 2022 में रिपोर्ट लिखाई। उसने बताया कि बैंक में काम के दौरान उससे मुलाकात हुई। उसने कोरबा जिले के नकटीखार निवासी तांत्रिक के जरिए जमीन से गड़ा धन निकालने का दावा किया। वह उसके झांसे में आकर तंत्र-मंत्र कराने को तैयार हो गया। वह तांत्रिक व एक अन्य साथी को लेकर सूरजपुर पहुंचा, जहां प्रार्थी के घर में तंत्र-मंत्र कर जमीन से हंडा निकालकर कमरे में बंद कर दिया गया। विशेष पूजा के जरिए तंत्र-मंत्र से हंडा सोना में तब्दील होने की बात कही गई। पूजन सामग्री के लिए उन्होंने उससे 14.09 लाख रुपए ले लिए। बाद में हंडा खोला तो उसमें मिट् ?टी निकली, तब उसको ठगी का एहसास हुआ। उसने थाने पहुंचकर रिपोर्ट लिखाई। मामले में एक अन्य आरोपी को सूरजपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था, लेकिन मुख्य आरोपी तांत्रिक फरार था।

गरीब बेटियों की शादी में जगह का नहीं आएगा रोड़ा मुफ्त में मिलेगा शादी घर

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- बिश्रामपुर क्षेत्र के मुस्लिम कमेटी के द्वारा आशियाना मैरिज गार्डन का किया गया उद्घाटन।

उक्त विवाह घर के उद्घाटन के अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व श्रम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष शफी अहमद ने कहा कि यह एक सराहनीय पहल है जहां इस शादी घर के बनने से गरीब तबके की बहन बेटी की शादी में कोई बाधा नहीं आएगी और उनको नि:शुल्क शादी के लिए जगह उपलब्ध हों पाएगी। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र के मुस्लिम कमेटी के लोगों ने सराहनीय पहल करते हुए सभी वर्गों के लिए शादी घर उपलब्ध कराने की बात कही है। मुस्लिम कमेटी के इस पहल की लोगों ने भुरी भुरी सराहना की । इस आयोजन में आमंत्रित अन्य अतिथियों में सामाजिक एवं धार्मिक कार्यकर्ता सुभाष गोयल, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष विश्रामपुर राजेश यादव , वरिष्ठ पत्रकारनरेंद्र जैन ,युवा उद्योगपति विनोद जिंदल, धर्मेंद्र गुप्ता ,प्रेम धमाई,सरफराज सहित कमेटी के सदर कलाम वाहिद,, गयासु मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सलीम खान, एजाज अहमद, आसिफ कुरेशी, जलालुद्दीन, उस्मानिया ,खुर्शीद आलम, जाहिद कुरैशी ,इस्लाम कुरैशी, हाजी ,मकबूल ,शमीम अंसारी, अशरफ अली, मेहदी हसन, अकबर अयान सहित कमेटी के अन्य गण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन इमाम हाफिज हुसैन ने किया
उक्त जानकारी कमेटी के एजाज अहमद जिमी ने दी।

जिले के गांव-गांव में परिवर्तन की बयार देखने को मिल रही

सुशासन तिहार बना टेक्नोलॉजी का सेतु, शिक्षा विभाग ने की त्वरित कार्रवाई

कोरिया(विश्व परिवार)। सुशासन तिहार 2025 के तहत कोरिया जिले के गांव-गांव में परिवर्तन की बयार देखने को मिल रही है। इसी कड़ी में ग्राम आंजोखुर्द स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला को स्मार्ट शिक्षा की सौगात मिली है। अब इस विद्यालय में स्मार्ट टीवी के माध्यम से बच्चे डिजिटल तरीके से पढ़ाई कर सकेंगे। शाला प्रबंधन एवं विकास समिति तथा ग्रामीणों ने स्मार्ट टीवी लगाने की मांग को लेकर शिक्षा विभाग को आवेदन सौंपा था। इस पर विभाग ने गंभीरता दिखाते हुए त्वरित कार्रवाई की और स्कूल में स्मार्ट टीवी स्थापित करवा दिया। जैसे ही टीवी स्कूल में लगा, बच्चों में खुशी की लहर दौड़ गई। बच्चों ने कहा कि अब वीडियो, चित्र और ऑडियो के माध्यम से पढ़ाई और भी रोचक हो गई है। शिक्षकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे कठिन विषयों को समझाना आसान होगा और बच्चों की रुचि भी पढ़ाई में बढ़ेगी। शाला समिति अध्यक्ष नारायण सिंह ने बताया, हमने सुशासन तिहार के दौरान जो मांग रखी थी, वह इतनी जल्दी पूरी होगी, यह सोचा नहीं था। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग का हम आभार व्यक्त करते हैं। छात्रों ने बताया कि वे अब खुद भी टीवी पर पढ़ाई के लिए आगे आ रहे हैं। इससे स्कूल में उपस्थिति भी बढ़ेगी और माहौल उत्साहपूर्ण होगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर पूरे प्रदेश में सुशासन तिहार मनाया जा रहा है। सुशासन तिहार के माध्यम से शासन-प्रशासन न केवल समस्याएं सुलझा रहा है, बल्कि गांवों व हितग्राहियों में उम्मीद और नवाचार की नई रोशनी भी जगा रहा है।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर शुक्रवार 25 अप्रैल 2025

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

देश को कमजोर करने वाली नीतियां...

देश की अखंडता पर प्रहार

वक्फ संशोधन कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दरम्यान सरकार ने आश्वासन दिया कि सेंटर वक्फ काउंसिल और वक्फ बोर्ड में किसी गैर-मुस्लिम की नियुक्ति नहीं की जाएगी। मौजूदा वक्फ संपत्तियों पर किसी तरह की कार्रवाई न करने तथा वक्फ संशोधन कानून, 2025 के कुछ प्रावधानों पर फिलहाल अमल न करने की बात भी की। अदालत ने सरकार को जवाब देने के लिए सात दिन का वक्त दिया है। अगले आदेश तक वक्फ, जिसमें वक्फ बाय यूजर भी शामिल है, में कोई बदलाव नहीं किया जा सकता। न ही संबंधित कलेक्टर इनमें कोई बदलाव करेगा। 1995 के अधिनियम के तहत जिन वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण हुआ है, उनको अगली सुनवाई तक गैर-अनूसूचित न करने का स्पष्ट निर्देश भी दिया गया है। अदालत में वक्फ कानून की वैधता को इस आधार पर चुनौती दी गई थी कि जैन, सिख व अन्य अल्पसंख्यकों के धर्म पर ऐसे कानून लागू नहीं होते। जैसा कि नये कानून के अनुसार वही शख्स अपनी संपत्ति दान कर सकता है, जो कम से कम पांच साल से मुसलमान हो यानी इस्लाम अपना चुका हो।दान की जाने वाली संपत्ति का मालिकाना हक भी रखता हो। शीर्ष अदालत ने सरकार से तल्ख सवाल किया कि क्या वह हिन्दुओं के धार्मिक ट्रस्टों में मुसलमान या गैर- हिन्दुओं को शामिल करने जा रही है? इस कानून के पारित होने के बाद हुई हिंसा की भी निंदा की। हरियाणा, महाराष्ट्र, मप्र, असम, छत्तीसगढ़ व राजस्थान जैसे भाजपा शासित राज्यों में अलग-अलग याचिकाएं दायर की गई हैं। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के अनुसार वक्फ के पास देश भर में 8.7 लाख संपत्तियां हैं जिनकी अनुमानित कीमत 1.2 लाख करोड़ रुपये है। कोई भी चल/अचल संपत्ति वक्फ होती है, जिसे अल्लाह के नाम पर मुसलमान धार्मिक या परोपकार के मकसद से दान करता है। अल्लाह ही हमेशा उसका मालिक होता है। इस तरह का चलन मंदिरों से लेकर अन्य धर्मों में भी है। मंदिरों के पास बगैर कागजात वाली संपत्ति कम नहीं हैं। इसलिए सरकार को कानून बनाते हुए सभी धार्मिक स्थलों के अधिकार क्षेत्र वाली चल/अचल संपत्ति पर यह कानून लागू करना चाहिए था। पूर्वाग्रहों से भरे पक्षपात करने वाली मोदी सरकार को इससे बचना चाहिए था। वक्फ की आड़ में संप्रदाय विशेष को लेकर टिप्पणियां या नया कानून बनाने की जल्दबाजी देश की अखंडता पर प्रहार कर सकती है।

योगेंद्र योगी

देश में कानून व्यवस्था के मामले में कर्नाटक नंबर वन है जबकि पश्चिम बंगाल ऐसा राज्य है जो पुलिस, ज्यूडिशियरी, जरूरतमंदों को कानूनी मदद मुहैया कराने, कैदियों के लिए बेहतर इंतजाम के मोर्चे पर सबसे पिछले पायदान पर खड़ा है सत्ता में काबिज रहने के लिए आम लोगों की जान-माल से किस हद तक खिलवाड़ किया जा सकता है, इसका मौजूदा उदाहरण पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस की सरकार है। पश्चिम बंगाल देश का ऐसा अकेला राज्य है जहां वक्फ बोर्ड के विरोध में हिंसा हुई है। वैसे देश के ज्यादातर राज्यों में इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन तक नहीं हुए। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री ममता ने हिंसा के बाद कहा है कि पश्चिम बंगाल में वक्फ संशोधन कानून लागू नहीं होगा। ममता बनर्जी का कहना है कि यह कानून केंद्र सरकार ने बनाया है और उन्हीं से इसका जवाब मांगा जाना चाहिए। यह पहला मौका नहीं है जब ममता ने वोट बैंक की खातिर मुस्लिम प्रेम दर्शाया है। इससे पहले भी मुख्यमंत्री ममता सरेआम मुस्लिमों की हिमायत कर चुकी हैं। रोहिंग्या मुसलमानों के मामले में भी ममता ने इसी तरह के प्रेम का इजहार किया था। ममता ने कहा था कि सभी रोहिंग्या आतंकवादी नहीं हैं, जबकि केंद्र सरकार ने संकटग्रस्त समुदाय को निर्वासित करने के अपने रुख पर कायम रहते हुए कहा था कि उनमें से कुछ पाकिस्तानी आतंकवादी समूहों से जुड़े हुए हैं। तब भी ममता ने इनकी पैरवी करते हुए कहा था कि आतंकवादियों और आम लोगों के बीच अंतर होता है। हर समुदाय में अच्छे और बुरे लोग हो सकते हैं, लेकिन एक समुदाय, एक समुदाय होता है। ममता की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने प्रदेश में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरह सख्त कार्रवाई करके जवाब नहीं दिया। यही वजह है कि ऐसे अराजक तत्वों के हौसले पश्चिम बंगाल में बुलंद हैं। पिछले वर्ष रामनवमी पर जुलूस के दौरान हिंसा भड़कने से करीब दो दर्जन लोग घायल हो गए। इस मामले में भी पश्चिम बंगाल ही सबसे आगे रहा। लखनऊ में मामूली झड़प के अलावा हिंसा की ऐसी वारदातें देश के अन्य हिस्सों में नहीं हुईं।

पश्चिम बंगाल में सरकार चाहे वामपंथियों की रही हो या अब ममता बनर्जी की हो, यह राज्य हिंसा के लिए अभिशप्त हो गया है। कारण भी स्पष्ट है, सारा संघर्ष सत्ता प्राप्ति का है। देश के ज्यादातर राज्यों में जहां चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न होते हैं, वहीं पश्चिम बंगाल का रिकार्ड हिंसा के कारण दागदार बन गया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल देश का इकलौता ऐसा राज्य है जहां पंचायत से लेकर विधानसभा और लोकसभा चुनावों तक जम कर हिंसा होती रही है। पश्चिम बंगाल में वर्ष 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद व्यापक पैमाने पर हिंसा हुई, जब तृणमूल ने भाजपा को हराया था। पश्चिम बंगाल में विधानसभा के चुनावी नतीजों के बाद हिंसा में 12 लोगों की मौत हुई। वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के एक दिन बाद 5 जून को चुनाव बाद हिंसा की घटनाओं में भाजपा और माकपा समर्थकों को निशाना बनाया गया। दक्षिण में उत्तर 24 परगना जिले और दक्षिण 24 परगना तथा राज्य के जंगलमहल क्षेत्र के झारग्राम सहित कई जिलों में चुनाव बाद हिंसा की घटनाएं सामने आईं। पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवान मौके पर पहुंचे, लेकिन सुरक्षा बलों के जाने के बाद उपद्रवी वापस लौट आए और इलाके में तोडफोड़ की। इसी तरह 8 जून 2023 को बंगाल में जिस दिन से पंचायत चुनाव की तारीखों का ऐलान हुआ, उसके बाद 15 लोगों की हत्या कर दी गई। वर्ष 2003 में जब यहां पंचायत चुनाव हुए थे, तब 76 लोगों की मौत हुई थी। इनमें से 40 से ज्यादा लोग तो वोटिंग वाले दिन मारे गए थे। वर्ष 2013 और 2018 के चुनाव के समय यहां केंद्रीय बलों की तैनाती भी हुई थी, बावजूद उसके हिंसा नहीं थमी थी। बीते पांच दशकों में पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा में करीब 30 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। पिछले दो दशकों में सबसे ज्यादा मौतें सिंगुर और नंदीग्राम आंदोलन में हुईं। पश्चिम बंगाल में हिंसा का दौर 1960 के बाद शुरू हुआ। साल 1967 में राज्य में कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार आई जिसने 2011 तक करीब 34 साल तक शासन किया। कम्युनिस्ट शासन के दौरान राज्य में राजनीतिक हिंसा में 28 हजार लोग मारे गए। ममता बनर्जी के नेतृत्व में हुए नंदीग्राम और सिंगुर आंदोलन को पश्चिम बंगाल की सरकार ने जिस हिंसात्मक तरीके से दबाया वो कम्युनिस्ट सरकार की सत्ता के ताबूत में आखिरी कील साबित हुई और 34 साल की लेफ्ट सरकार का पतन हुआ। लोगों को उम्मीद जगी थी कि अब सरकार बदलने के बाद पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा खत्म हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पंचायत चुनाव हो या विधानसभा-लोकसभा चुनाव, पश्चिम बंगाल में हिंसा कम नहीं हुई। इस राज्य में अब बिना किसी चुनाव के भी राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्या और उन पर हमला आम बात हो गई है। पश्चिम बंगाल राजनीतिक और सांप्रदायिक हिंसा के लिए ही नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार के लिए भी कुख्यात बन चुका है। जितनी बेशर्मी से भ्रष्टाचार और उस पर पर्दादारी इस राज्य में हुई है, उसकी मिसाल देश के दूसरे राज्यों में देखने को नहीं मिलती। टीएमसी के 19 नेताओं पर सीबीआई और ईडी की कार्रवाई चल रही है। शारदा घोटाले और नारद स्टिंग के खुलासे से तृणमूल कांग्रेस की खूब किरकिरी हुई। इसी तरह कोयला और मवेशी तस्करी, राशन घोटाले और सरकारी परियोजनाओं के लिए धन में से कट मनी लेने के आरोपों के बावजूद ममता बनर्जी के तेवरों में कमी नहीं आई। घोटालों की इस कड़ी में शिक्षा घोटाला सुर्खियों में है। चूंकि इसमें प्रदेश के हजारों बेरोजगार जुड़े हैं, इसलिए यह मामला ममता के गले की हड्डी बन गया है। अन्यथा जैसे अन्य घोटालों से ममता सरकार पर कोई फर्क नहीं पड़ा, उसी तरह शिक्षा घोटाले पर नहीं पड़ता। कलकत्ता हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी के साथ 25000 शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की पूरी भर्ती प्रक्रिया रद्द कर दी। कोर्ट का कहना है कि घोटाले की जड़ें इतनी गहरी हैं कि दोषियों को निर्दोषों से अलग करना मुमकिन नहीं है। नौकरी गंवाने वाले टीचर इसके विरोध में सड़कों पर उतर आए। मुख्यमंत्री ममता ने इस फैसले पर खुले तौर पर असहमति जताई। राज्य के शिक्षा मंत्री यहां तक कह गए कि अदालत के फैसले से प्रभावित सभी शिक्षकों को वेतन मिलेगा। मतलब स्पष्ट है कि वोट बैंक की राजनीति इतनी हावी है कि अदालत के निर्णय की अवहेलना करने से भी ममता सरकार को गुरेज नहीं है। हिंसा और घोटाले ही पश्चिम बंगाल की पहचान नहीं बन चुके, बल्कि राज्य की सरकारी मशीनरी भी पूरी तरह जंग खा चुकी है। कोलकाता के आरजी अस्पताल में महिला चिकित्सक से बलात्कार के बाद हत्या इसका उदाहरण है। इस मामले में अदालत ने पुलिस कार्रवाई पर कड़ी टिप्पणी की। देश में कानून व्यवस्था के मामले में कर्नाटक नंबर वन है जबकि पश्चिम बंगाल ऐसा राज्य है जो पुलिस, ज्यूडिशियरी, जरूरतमंदों को कानूनी मदद मुहैया कराने, कैदियों के लिए बेहतर इंतजाम के मोर्चे पर सबसे पिछले पायदान पर खड़ा है। यह बात इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2025 में कही गई है। इसके बावजूद ममता सरकार की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ा। राज्य के हालात में सुधार के लिए कोई घोषणा तक नहीं की गई। बात-बात पर केंद्र सरकार से टकराहट मोल लेने की ममता की प्रवृत्ति इस बात की तरफ इशारा करती है कि पश्चिम बंगाल मानो कोई अलग देश है। राजनीतिक क्षुद्र स्वार्थों के लिए यदि ऐसी ही प्रवृत्ति दूसरे राज्यों की सरकारों ने भी अपना ली तो इस तरह का रवैया देश के संघीय ढांचे को कमजोर करेगा। बेहतर होगा कि ऐसी क्षेत्रीय समस्याओं का मिल-बैठ कर कानून के दायरे में समाधान ढूंढा जाना चाहिए।

आलेख

भारत के स्टार्ट अप्स की तुलना चीन से

अजीत द्विवेदी

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल मुंबई में रहते हैं और इस बार तो राज्यसभा छोड़ कर मुंबई की एक सीट से लोकसभा का चुनाव जीते हैं। वे कॉरपोरेट के चहेते नेता हैं। इसी योग्यता की वजह से वे लंबे समय तक भाजपा के कोषाध्यक्ष रहे। यह पद उनको विरासत में मिला था। पहले उनके पिता वेद प्रकाश गोयल भी भाजपा के कोषाध्यक्ष थे। यानी वे पीढ़ियों से कॉरपोरेट फ्रेंडली हैं। इसके बावजूद उन्होंने ऐसी बात कही है, जो निश्चित रूप से इस देश के किसी कॉरपोरेट को पसंद नहीं आई होगी। कई लोगों ने तो खुल कर प्रतिक्रिया भी दी और बाकी लोग मन ही मन कुढ़ रहे होंगे। गोयल ने राजनीतिक जोखिम भी लिया है। उन्होंने जब कहा कि भारत में सिर्फ फूड डिलीवरी, इंस्टेंट ग्रॉसरी डिलीवरी या बेटिंग, गेमिंग के स्टार्टअप्स बन रहे हैं, जबकि चीन में एआई और ईवी के स्टार्टअप्स बन रहे हैं तो उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दावे पर भी सवाल खड़ा कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी बार बार कहते रहे हैं कि भारत स्टार्टअप्स का कैपिटल है और दावा करते हैं कि भारत के कितने स्टार्टअप्स यूनिकॉर्न बन गए यानी सौ करोड़ डॉलर से ज्यादा का कारोबार करने वाले बन गए। लेकिन उनके इस दावे के बरक्स पीयूष गोयल ने भारत के स्टार्टअप्स की हकीकत बताई है। उन्होंने बड़ा जोखिम लिया है। पीयूष गोयल ने स्टार्टअप महाकुंभ में बोलते हुए कहा, 'भारत में स्टार्टअप्स फूड डिलीवरी, फैंसी आइसक्रीम व कुकीज, इंस्टेंट ग्रॉसरी डिलीवरी, बेटिंग व फैंटेसी स्पोर्ट्स ऐप्स और रील्स व इन्फ्लूएंसर्स इकोनॉमी बनाने में बिजी हैं'। उन्होंने भारत के स्टार्टअप्स की तुलना चीन से करते हुए कहा कि दूसरी ओर चीन में 'ईवी व बैटरी टेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर, एआई रोबोटिक्स व ऑटोमेशन, ग्लोबल लॉजिस्टिक्स, ट्रेड व डीप टेक और इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े स्टार्टअप्स शुरू हो रहे है'। गोयल इतने पर नहीं रूके उन्होंने यह भी कहा कि वे ऐसे तीन या चार अरबपतियों को जानते हैं, जिनके बच्चों ने बहुत फैंसी आइसक्रीम और कुकीज के ब्रांड बनाए और वे सफल कारोबार चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें इससे दिक्कत नहीं है लेकिन क्या यही भारत का भविष्य है और क्या देश इससे संतुष्ट है? उनको सुनते हुए कई बार लगा कि कोई कम्युनिस्ट या सोशलिस्ट लीडर बोल रहा है। उन्होंने कहा, 'आज भारत का स्टार्टअप क्या है? हम फूड डिलीवरी ऐप्स पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं और बेरोजगार युवाओं को सस्ता मजदूर बना रहे हैं ताकि अमीर लोग घर से निकले बगैर अपना भोजन प्राप्त कर सकें'।भारत के वाणिज्य मंत्री ने अपने इस भाषण से ऐसी दुखद सचाई को एक्सपोज किया है, जिस पर अभी तक परदा डाला जाता रहा है और ऐसी छोटी छोटी चीजों को बड़ा बना कर देश की उपलब्धि के तौर पर पेश किया जाता रहा है। सवाल है कि भारत क्यों ऐसी स्थिति में है? भारत इस स्थिति में इसलिए है क्योंकि भारत के कारोबारी जोखिम नहीं ले सकते हैं। वे इनोवेशन यानी नई चीजों के रिसर्च में पैसा खर्च नहीं कर सकते हैं। वे अनदेखे क्षेत्र में कदम ही नहीं रख सकते हैं। बचपन से इस देश में 'महाजनो येन गत: स पंथा' पढ़ाया जाता है। यानी समझदार लोग जिस रास्ते पर गए हों उसी पर चलें। लीक छोड़ कर चलने की शिक्षा नहीं दी जाती है। तभी भारत के कारोबारी इंतजार करते हैं कि दुनिया के दूसरे देशों में लोग रिसर्च पर पैसे खर्च करें और नई तकनीक ईजाद करें और उत्पाद बना लें तो वे बाद में उसका इस्तेमाल कर लेंगे। यानी इनोवेटर नहीं कंज्यूमर बनने की ही सोच देश के खरबपतियों की भी है। तभी दुनिया भर के देशों में जब फूड डिलीवरी ऐप्स बन गए, डिजिटल भुगतान के ऐप्स बन गए, कैब और फूड एग्रीगेटर के ऐप्स बन गए तो भारत के अरबपतियों ने उनकी नकल करके अपने ऐप्स बनाए और सचमुच भारत के बेरोजगार युवाओं को सस्ते मजदूर में बदल दिया। स्विगी, जोमैटो से लेकर ब्लिंकिट और बिग बास्केट तक और भारत पे से लेकर पेटीएम तक और ओला से लेकर मिंत्रा तक और जेरोधा से लेकर ग्रो तक जितने भी ऐप्स बन हैं और जिनसे भारत में नई पीढ़ी के अरबपति बने हैं उनमें से कोई भी ऐप नया इनोवेशन नहीं है और कोई भी ऐप ऐसा नहीं है, जो भारत से बाहर दुनिया के दूसरे देश में इस्तेमाल किया जा रहा हो और उससे भारत में पैसा आ रहा हो। लगभग सारे स्टार्टअप्स और सारे ऐप्स भारत के लोगों को छोटी छोटी सुविधाएं देने के लिए ही हैं।

वन विभाग की आधारहीन चिंताएं....

कुलभूषण उपमन्यु

उपनिवेशवादी प्रबंधन ने ही लोगों को वनों से दूर किया था। उनको फिर से वनों के साथ जोडऩे का यह कानून मौका देता है, जिसका लाभ होगा। डरने की जरूरत नहीं, बल्कि मिलकर बेहतर वन प्रबंधन विकसित करने पर ध्यान देने की जरूरत है। वन विभाग यदि अपनी विशेषज्ञता का उपयोग आने वाले समय में आजीविका वानिकी की ओर करे तो बेहतर होगा। ऐसे वन जो बिना काटे रोजी-रोटी दे सकें, वही संरक्षित पर्यावरण की गारंटी हैं बड़ी मुश्किल से 17 सालों बाद हिमाचल सरकार जागी, तो वन विभाग नाहक ही चिंताग्रस्त हो गया। वन अधिकार कानून 2006 दो साल बाद दो हजार आठ में अधिसूचित होने के बावजूद आज तक लागू किए जाने को तरस रहा था। यह कानून संसद द्वारा वनवासी और अन्य वन निर्भर समुदायों के प्रति ब्रिटिश हुकूमत में किए गए ऐतिहासिक अन्याय को दूर करने के लिए इन समुदायों की वनों पर निर्भरता को ध्यान में रखते हुए वनों पर कानूनी रूप में कुछ अधिकार देने की बात करता है, जिसमें 2005 की 13 जनवरी से पहले यदि आजीविका के लिए वन भूमि का प्रयोग किया जा रहा है या आवास और पशुशाला आदि बनाई है, तो उतनी वन भूमि पर, आदिवासी और अन्य वन निर्भर समुदायों को इस्तेमाल का हक प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा सामुदायिक रूप से वनों में जो बरतनदारी हक, परंपरा से इन समुदायों को छूट के रूप में प्राप्त हैं, उन्हें कानूनी अधिकार के रूप में दिए जाने का प्रावधान है। बरतनदारी वनों के प्रबंधन की जिम्मेदारी देने के साथ इनके संरक्षण-संवर्धन का कर्त्तव्य भी निर्धारित किया गया है। स्थानीय विकास के लिए जरूरी वन भूमि के हस्तांतरण की प्रक्रिया भी वन संरक्षण अधिनियम की लंबी प्रक्रिया से बाहर निकाल कर इस कानून के तहत आसान की गई है, जिसके लिए दिल्ली की ओर देखने की जरूरत नहीं, बल्कि वन अधिकार समिति की संस्तुति से वन मंडल अधिकारी के स्तर पर ही एक हैक्टेयर तक भूमि का स्थानीय विकास की 13 मदों के लिए हस्तांतरण किया जा सकता है, बशर्ते उसमें 75 से ज्यादा पेड़ न आते हों। इस तरह यह कानून न केवल आदिवासी और अन्य वन निर्भर समुदायों की आजीविका का संरक्षण करता है, बल्कि वन संरक्षण कार्य में स्थानीय जन सहयोग को बढ़ा कर वन संरक्षण कार्य को भी मजबूत करता है। स्वयं वन विभाग भी वन संरक्षण में जन सहयोग के लिए सांझा वन योजना जैसे प्रयोग सफलतापूर्वक कर चुका है। हालांकि यह प्रयोग अनमने भाव से ही किए गए थे, फिर भी परिणाम उत्साहवर्धक रहे हैं, इसलिए कोई कारण नहीं है कि उक्त अधिनियम के अंतर्गत कानूनी तौर पर प्रबंधन के अधिकार मिलने पर, समुदाय कामयाब नहीं होगा। बल्कि कानूनी तौर पर पूर्ण सशक्त होने पर सामुदायिक प्रबंधन बहुत सफल होगा। आखिर पंचायतों को भी जब संवैधानिक संस्था का दर्जा दिया गया तो सारा कार्य सफलतापूर्वक संभाल ही रही हैं। फिर किसी को खुली छूट भी तो दी नहीं जा रही है, बल्कि वन प्रबंधन समितियों को नियम-कानूनों के प्रति जवाबदेह बनाने की व्यवस्था है। गत दिनों जब हिमाचल सरकार ने जनजातीय विकास मंत्री माननीय जगत सिंह नेगी के नेतृत्व में वन अधिकार कानून को लागू करने के लिए मिशन मोड में कार्य शुरू किया तो वन विभाग सकते में आ गया। एक पत्र जिलाधीशों, मुख्य अरण्यपालों और वन मंडल अधिकारियों को जारी किया गया, जिसमें तथाकथित दिशा-निर्देशों की बात की गई है। जबकि कानून को लागू करने का काम वन अधिकार अधिनियम के तहत जनजातीय विभाग को सौंपा गया है। वन विभाग का काम केवल सांझा निरीक्षण में हाजिर होना है, या उपमंडल समितियों और जिला स्तरीय समितियों में सहयोग देना है। दिशा-निर्देश तो पहले ही एक्ट, नियम और केन्द्रीय दिशा-निर्देशों के रूप में आ चुके हैं। अब सवाल यह पैदा होता है कि इस समय, जब सरकार इस कानून को लागू करने के प्रति गंभीरता से काम करने जा रही है, तो विभाग की ओर से यह पत्र क्यों जारी किया गया? सत्रह साल तक विभाग को यह याद क्यों नहीं आई? फिर वीडियोग्राफी करने और सेटेलाइट फोटो का प्रयोग करने के सुझाव क्यों दिए गए, जबकि एक्ट में उनका कोई जिक्र नहीं है। इससे साफ यह शक जाहिर होता है कि वन विभाग अब फिर इस कानून को लागू करने के काम में अड़ंगा लगाना चाहता है। पत्र में कोनिफर पेड़ों की ही चिंता जाहिर की गई है, यानी टिंबर देने वाले पेड़ ही इनके लिए पेड़ हैं। ऊंचाई पर भी क्लाइमेक्स जंगल में तो बान, बुरांस, खरशु, मोहरू, चिरंदी जैसे अनेक वृक्ष प्रजातियां हैं। उनको तो ये लोग कोयला जलाने के लिए काट कर खुद नष्ट करते रहे हैं और उनके रोपण की भी कोई कोशिशें नहीं की जाती थीं। अभी कुछ वर्षों से ही ये प्रयास शुरू हुए हैं। अभी भी कितना सफल होते हैं, पता नहीं। शिवालिक के सघन मिश्रित वनों को गर्डलिंग करके सुखाया गया और चीड़ के वनों में बदल दिया गया। यह काम सुधार वानिकी के नाम पर किया गया। इसी कारण वन्य प्राणी जंगली फ्लों और चारे के अभाव में खेतों में अत्यधिक नुकसान करने लग गए हैं, जिससे स्थानीय आजीविका का कितना नुकसान हुआ। इसका आकलन तक नहीं किया गया है। असल में ये लोग अभी तक भी उपनिवेशवादी मानसिकता से बाहर नहीं निकल पाए हैं। जंगल पोलिसिंग से नहीं बचे हैं, लोगों के सहयोग और जागरूकता से बचे हैं। उपनिवेशवादी प्रबंधन ने ही लोगों को वनों से दूर किया था। उनको फिर से वनों के साथ जोडऩे का यह कानून मौका देता है, जिसका लाभ होगा। डरने की जरूरत नहीं, बल्कि मिलकर बेहतर वन प्रबंधन विकसित करने पर ध्यान देने की जरूरत है। वन विभाग यदि अपनी विशेषज्ञता का उपयोग आने वाले समय में आजीविका वानिकी की ओर करे तो बेहतर होगा। ऐसे वन जो बिना काटे रोजी-रोटी दे सकें।

व्यवस्थाओं के दामन पर नशाखोरी के दाग

प्रताप सिंह पटियाल

हालात जैसे भी हों इज्जत-ए-नफ्स से काम करने वाली अजीम शख्सियतें किसी प्रलोभन या धन-दौलत के लालच में खुद्दारी की सरहद नहीं लांघती। बेहतर होगा यदि मुल्क के निजाम में विराजमान इंतजामिया व नौकरशाही को नशा ईमानदारी व मोहिब्ब- ए-वतन के जज्बात का हो ताकि आवाम का एतबार कायम रहे 'उसी का शहर वही मुद्दई वही मुंसिफ हमें यकीं था हमारा कसूर निकलेगा। उस आस्तीन से अश्कों को पोंछने वाले उस आस्तीन से खंजर जरूर निकलेगा'। मारूफ शायर 'अमीर कजलबास' को शायद अंदाजा नहीं था कि उनकी नज्म के ये अल्फाज मुस्तकबिल में नशाखोरी की तिजारत में मुब्तिला सुरक्षा एजेंसियों तथा खियानत में डूबे मुल्क के निजाम की दास्तान को पूरी शिद्दत से बयान करेंगे। नशाखोरी, रिश्वतखोरी व कई घोटालों के बदनुमां दाग हमारी व्यवस्थाओं के दामन पर लग चुके हैं। नशे की अवैध तिजारत से हालात इस कदर बद्दतर हो चुके हैं कि नशाखोरी के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाली सामाजिक संस्थाएं सुरक्षा एजेंसियों को ड्रग्स तस्करों की खबर देने में दुविधा में हैं। कहीं खुद की शिनाख्त उजागर न हो जाए, इसलिए सभ्य समाज के लोग नशे के खिलाफ जंग का हिस्सा बनने से डर रहे हैं। सुरक्षा एजेंसियों का मुखबिर बनकर नशे की मुखबिरी में कहीं खुद शरीक-ए-जुर्म साबित न हो जाए, इसलिए नशे जैसी बुराई को मिटाने का हलफ उठा चुके इंकलाबी युवा खौफजदा हैं। यानी खुदगर्ज की बस्ती में एहसान गुनाह साबित हो सकता है। चूंकि सामाजिक सुरक्षा का दायित्व निभाने वाली निगाहबान निगाहें भी कातिल नशे की तलबगार बन चुकी हैं। उच्च पदों पर विराजमान कई सरकारी अधिकारी भी चिट्टे जैसे नशे के शौकीन हैं। देश के संवेदनशील इदारों की सुरक्षा की जिम्मेवारी निभाने वाले कर्मचारी 'हनी ट्रैप' जैसे फ्रॉड में पकड़े जा रहे हैं। ताजिरात-ए-हिंद के पैरोकार भ्रष्टाचार में अपनी भागीदारी दर्ज करवा चुके हैं। प्रश्न यह है कि जब अदालत में मुलजिम खुद मुंसिफ व खुद ही मुद्दई होगा तो उसके एब-ओ-हुनर की तफ्तीश कौन करेगा? सुरक्षा एजेंसियों में तैनात अहलकार जब खुद नशाखोरी की अवैध तिजारत में गिरफ्तार हो रहे हैं, ड्रग्स के अवैध कारोबार की रोकथाम करने वाली जांच एजेंसियों के मुलाजिम भी नशे के काले कारोबार में हाथ आजमा रहे हैं, तो उनके गिरेबान में हाथ कौन डालेगा? मगर हमारे जम्हूरी निजाम में धरातल पर ये सब

कुछ हकीकत में हो रहा है। धन कुबेर बनने की जहालत भरी ख्वाहिश ने तमाम व्यवस्थाओं को रुसवा कर दिया है। नशे का गोरखधंधा अवैध तरीके से अकूत धन कमाने का बड़ा कारोबार बन चुका है, नतीजतन अमीर बनने की हसरत में सरकारी मुलाजिम भी जानलेवा नशे के ताजिर बन रहे हैं। हिमाचल के हमसाया सूबे पंजाब को वहां की हुकूमत नशामुक्त बनाने में जुटी है। पंजाब में नशाखोरी के खिलाफ 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान में नशा तस्करों के खिलाफ बुल्डोजर एक्शन भी हो रहा है। लेकिन इसके बावजूद सूबे में नशे का जहरीला कारोबार शबाब पर है। 'उड़ता पंजाब' में वर्दी की आड़ में नशा तस्करी के कई सनसनीखेज खुलासे हो रहे हैं। हाल ही में महिला पुलिसकर्मी को ड्रग्स के साथ हिरासत में लिया गया है। नशा मजहब का हो, सियासी कद का हो, सरकारी पद का हो, मादक पदार्थों का हो या धन-दौलत का हो, कई रिश्तों को बेआबरू करने की कूवत रखने वाला नशा अपनी औकात जरूर दिखाता है। शायद इसीलिए कहा जाता है कि सदाकत, अखलाक, ईमानदारी व वफादारी बड़े महंगे शौक हैं। इन्हें हर कोई नहीं पाल सकता। उच्च अधिकारियों व सुरक्षाकर्मियों की नशा तस्करों से रफाकत पशेमानी का विषय है। नशाखोरी जैसी मशकूक गतिविधियों में सुरक्षा एजेंसियों के अहलकारों की संलिप्तता से नशे के खिलाफ चल रही मुहिम पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। नशाखोरी से लोगों की जिंदगी को जहन्नुम बनाकर नशे के सरगना करोड़ों रुपए की अवैध सल्तनत खड़ी कर चुके हैं। नशे की ओवरडोज से हो रही दर्दनाक मौतें तस्दीक करती हैं कि बेआब नशेड़ी नशे की हिरासत में ही मरहूम हो रहे हैं। कुछ पलों के लिए सुकून का एहसास कराने वाला नशा युवा वेग को जिंदगी भर के लिए मफ्लूज कर रहा है। जिन नामुराद लबों को हेरोइन व सिंथेटिक ड्रग्स की लज्जत लग जाए, उनका नशे के बिना रहना लगभग नामुमकिन है। नशे की इल्लत ने नशेड़ी वर्ग को जुर्म की चौखट पर पहुंचा कर गुनाहगार की कतार में खड़ा कर दिया है। नशे की तलब में कत्ल जैसी खौफनाक वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है। नशे की फुरकत में भी संगीन जुर्म हो रहे हैं। ड्रग्स की अवैध तिजारत से नशे के सरगनाओं की धन-दौलत में बेहताशा इजाफा हो रहा है। मगर गुरबत व नादारी से जूझ रहे नशेड़ी वर्ग के परिवारों की आर्थिकी का तवाजुन बिगड़ चुका है। अदालतों में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमों में इजाफा हो रहा है। कानूनी शिकंजे में फंस चुके नशे के तलबगार बने कई युवाओं को बचाने के लिए अभिभावकों ने अपनी जमीन जायदाद गिरवी रख दी है। धनवान बनने की हसरत में कई मुलाजिमों ने अपना जमीर गिरवी रख दिया है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/भिलाई-दुर्ग/धर्म समाज/देश
रायपुर, शुक्रवार 25 अप्रैल 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

शिवाजी स्कूल में दी गई श्रद्धांजलि

रायपुर (विश्व परिवार)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष नागरिकों को श्रद्धासुमन अर्पित करने छत्रपति शिवाजी स्कूल, पुरानी बस्ती में आज श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर स्कूल के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने मोमबत्ती जलाकर तथा दो मिनट का मौन रखकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की इस अवसर पर स्कूल संचालक मुकेश शाह, प्राचार्या नफीसा रंगवाला, मौली चटर्जी,शिरीन परवीन,निर्मला बिसेन, आराधना बेदी,रुपा साहू,मधुलिका मिश्रा,लविना शंभवानी,राजश्री फाये, ललिता सोनी,फरज़ाना हुसैन पुष्पा सोनी,मधुमति सोनकर, दीप्ति तिवारी, अनामिका पुजारी,अनिता तिवारी ,अंजना प्रधान, वैशाली तिवारी,शचि मिश्रा आदि मौजूद रहे।

तामासिवनी और मोखला में 70 लोगों ने कराया नेत्र परीक्षण, 27 लोगों को किया गया नि:शुल्क चश्मा वितरण

आरंग (विश्व परिवार)। गुरुवार को ग्राम पंचायत तामासिवनी और मोखला में पीपला वेलफेयर फाउंडेशन के संयोजन में एमजीएम अस्पताल रायपुर द्वारा नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें 70 लोगों ने नेत्र जांच कराया। जिसमें 27 जरूरत मंद लोगों को नि:शुल्क चश्मा वितरण किया गया। वहीं 15 मोतियाबिंद के मरीजों को उपचार हेतु चिन्हित कर एमजीएम अस्पताल रायपुर ले जाया गया।शिविर के आयोजन संयोजन में विशेष योगदान सरपंच श्याम साहू सरपंच ग्राम पंचायत तामासिवनी, उपसरपंच दिलेंद्र डहरिया समस्त पंचगण,मोखला से सरपंच सरस्वती चंद्राकर एवं पंचगण,पीपला फाउंडेशन से महेन्द्र कुमार पटेल, एमजीएम अस्पताल से क्राडिर्नेटर रमेश कुलदीप, मेडिकल स्टाफ गायत्री टंडन, नंदनी और चमन निषाद की अहम भूमिका रही।

श्रीमती शुभांगी आप्टे का सम्मान किया गया

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। दिनांक 23 अप्रैल को जिला राजनांदगांव में RCM की मीटिंग राजनांदगांव के डॉ. पंकज सरकार के सौजन्य में आयोजित की गई थी। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नो प्लास्टिक कैंपेन मोर रायपुर एवं स्वच्छता अभियान की ब्रैंड एंबेसेडर श्रीमति शुभांगी आप्टे जी बुलाया गया था। जिसमें पूरी RCM की टीम ने उनका स्वागत और सम्मान फूलों की बुके देकर किए इसके उपरांत

शुभांगी आप्टे जी ने प्लास्टिक का उपयोग करने से क्या नुकसान होता है इसके बारे मे सबको बहुत अच्छी जानकारी दी और कहा सभी प्लास्टिक का उपयोग बंद करके कपड़े का थैला उपयोग में लाए और सभी सदस्यों ने उनकी बातों को माना इसके पश्चात् शुभांगी जी ओर उनकी साथियों के द्वारा 70 कपड़े की थैलियों जो दीदी खुद अपने व्यय से सिलाई करवाकर वितरण किया गया और सभी से आग्रह किया कि आज से प्लास्टिक का उपयोग बंद करे।इस अभियान में रायपुर महिला समिति से श्रीमति राजश्री गुप्ता, सुशीला अवधिया, गौरी अवधिया, जी उपस्थित रही।

आचार्य श्री विरागसागर जी महाराज के सुशिष्य, आध्यात्म योगी, चर्या शिरोमणी, वितरागी श्रमण-संस्कृति के आध्यात्मिक सद्गुरू दिगंबराचार्य का नाम है- श्री विशुद्धसागर जी

कोल्हापुर (विश्व परिवार)। भारत कि पावन वसुंधरा पर अनेकों ऋषी मुनीयों ने अपनी पवन चरण धुलि से इस वसुमती को परम पवित्र किया है और समाज को एक नई दिशा प्रदान कि है। इसी शृंखला में इक्कीसवीं सदी के एक दूर-दृष्टा, युवाओं के प्रेरणा पुंज, आगमनुसार आचरण कर के जन-जन को सद्-बोध देने वाले आध्यात्मिक गुरू आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज द्वारा वर्तमान में की गई धर्मप्रभावना समाज के समक्ष उपस्थित है। सत्य, अहिंसा, मैत्री, जियो और जिने दो के साथ आचार्य विरागसागर महाराज जी के चमकते सितारे आचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज जी का मुख्य नारा नमोस्तु शासन जयवंत हो है।

चर्या शिरोमणी आचार्य भगवन श्री विशुद्धसागर जी महाराज का जन्म मध्य प्रदेश के भिंड में 18 दिसम्बर 1971 को हुआ। आपका गृहग्राम रूर है, जहाँ आपकी प्राथमिक शिक्षा दसवीं तक संपन्न हुई थी।

आपके जनक श्री रामनारायण जी (समाधिस्त मुनि श्री विश्वजीत सागर जी) एवं माता श्रीमती रत्तीबाईजी जैन (समाधिस्त - क्षुल्लिका श्री विश्वमति माताजी) थी जिन्होने दिक्षा लेकर देवलोक गमन किया। आपके पांच

भाई और दो बहन है। अध्यात्मयोगी श्रमणाचार्य श्री 108 विशुद्धसागरजी महाराज यथा नाम तथा गुण रुप है। जैसा नाम है, वैसा ही आचरण है। आचार्य विशुद्धसागर महाराज जी के बारे में जितना कहे कम है, क्योंकी उनके बारे में कहना सुरज को दीप दिखाने जैसा हैं। हे गुरुवर, नमोस्तु शासन को सदा जयवंत रखे।

राजेंद्र (लला) जैन से पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज तक का सफर- राजेंद्र (आचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज जी का बचपन का नाम) जी के बचपन से प्रारंभिक क्रियाये उनके भविष्य में वैराग्य कि और बढ़ते कदमों का संकेत दे रही थी। उनका विवरण निम्न प्रकार से है। बचपन से ही जिनालय जाना- राजेंद्र (लला) अल्पायु से अपने पिताजी श्री रामनारायण जी एवं माता जी श्रीमती रत्तीबाई एवं अपने अग्रजों के साथ प्रतिदिन श्री जिन मंदिर जी दर्शनों के लिये जाने लगे थे।

रात्रि भोजन एवं अभक्ष्य वस्तुओं का त्याग- राजेंद्र (आचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज कि का बचपन का नाम) ने 7 वर्ष की अल्पायु में श्री जिनालय में रात्रि भोजन का त्याग एवं अभक्ष्य वस्तुओं के त्याग का नियम ले लिया था और उसका पालन पालन करना प्रारंभ कर दिया था। सप्त व्यसनों का त्याग एवं अष्ट मूल गुणों का पालन- राजेंद्र (लला)जब 8 वर्ष के थे तभी से उन्होंने सप्त व्यसन का त्याग एवं अष्ट मूल गुणों का पालन करना प्रारंभ कर दिया था।

बिना देव दर्शन भोजन न करने का नियम- राजेंद्र ने 13 वर्ष की अल्पायु में तीर्थराज श्री दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र शिखरजी में बिना देव दर्शन के भोजन न करने का नियम ले लिया था।

स्वत: ब्रहमचर्य व्रत अंगीकार- अल्पायु में राजेंद्र ने अपने ग्राम रुर के जिनालय में भगवान् के समीप स्वयं ही ब्रहमचर्य व्रत ले लिया था।

-अभिषेक अशोक पाटील

इंसान यदि मालिक न बनकर माली बनने की सोचे और मल्कियत को छोड़ देवे तो सुख शांति प्राप्त कर सकता है : स्वास्तिभूषण माताजी

केकड़ी (विश्व परिवार)। इंसान हर वस्तु का मालिक बनना चाहता है, वह धन के पीछे भागता है और खूब धन कमा लेने के बाद मालिक बनकर भी वह संतुष्ट व सुखी नहीं रह पाता है।लक्ष्मी चंचलास्वरूप है,आज है कल नहीं है, यदि मालिक न बनकर माली बनने की सोचे ओर मल्कियत को छोड़ देवे तो सुख शांति प्राप्त कर सकता है। बोहरा कॉलोनी स्थित शिवम वाटिका में आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ने आयोजित धर्म सभा में अपने धर्मोपदेश में कहे। उन्होंने कहा कि जैन धर्म जन-जन का धर्म है इसमें ताप एवं त्याग का विशेष महत्व है। बिना त्याग के जीवन संयममय नहीं हो सकता है। विज्ञान भी जैन धर्म पर आधारित धार्मिक एवं नैतिक ज्ञान को ग्रहण कर रहस्य को समझने का प्रयास कर रहा है।

प्रात: जिनाभिषेक, शांतिधारा, जिनेन्द्रार्चना व अन्य धार्मिक क्रियायें आर्यिका माताजी के सानिध्य में सम्पन्न हुई।शांतिधारा करने का सौभाग्य पारस मल महावीर प्रसाद भाग चंद त्रिलोक चंद लाभचंद बघेरा परिवार को मिला।भगवान महावीर व आचार्य श्री का चित्र अनावरण पदम चंद विनय कुमार कटारिया ने किया। राजुल महिला मंडल ने माताजी को शास्त्र भेंट किया।

जैन एंबुलेंस सेवा समिति के अंकित जैन अध्यक्ष एवं सौरभ जैन मंत्री बनाए गए

ललितपुर (विश्व परिवार)। जैन एम्बुलेंस सेवा समिति की साधारण सभा की बैठक डॉ. अक्षय जैन टड़ैया, आकाश जैन (भारत गैस), वैद्य महेन्द्र कुमार जैन के निर्देशन में एवं अंकित जैन (अशोक मेडिकल) की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक तु का

शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ,। जिसे वैद्य महेन्द्र, सजल जैन जॉली व जितेन्द्र जैन अनुज मेडिकल द्वारा संपन्न किया गया। संस्था के मंत्री न सौरभ जैन ने समिति द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। सर्वसम्मति से चिकित्सा शिविर = प्रकोष्ठ का गठन किया गया, जिसके न संयोजक वैद्य महेन्द्र कुमार जैन को बनाए गया डॉ. अक्षय टड़ैया ने वर्ष में ङ्क एक विशाल चिकित्सा शिविर (सर्व ङ्क समाज हेतु) आयोजन का प्रस्ताव ङ्क रखा, जिसे सभी ने सहर्ष अनुमोदित न किया। वर्तमान समिति द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए।

समिति को यथावत बनाए रखने का प्रस्ताव भी पारित हुआ। एवं समस्त पदाधिकारी एवम् सदस्यों की सहमति से जैन एम्बुलेंस सेवा समिति के अध्यक्ष पद पर अंकित जैन (अशोक मेडिकल), मंत्री सौरभ जैन (सौरभमेडिकल), कोषाध्यक्ष कुमार जैन नुना को चुना गया अध्यक्ष अंकित जैन (अशोक मेडिकल) ने सभी सदस्यों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए चिकित्सा क्षेत्र में समिति की निरंतर सेवा भावना को दोहराया।

अंत में मंत्री सौरभ जैन ने सभी का धन्यवाद किया और सभी सदस्यों ने आयोजित स्वल्पाहार का आनंद लिया। बैठक में डॉ अक्षय जैन टड़ैया, आकाश जैन भारत गैस, वैद्य महेंद्र जैन, सजल जैन जॉली, जितेन्द्र जैन अनुज मेडिकल, निखलेश चौधरी, प्रकाश जैन, कुमार जैन नुना, भडॉ सनत मोदी, विवेक जैन, अभय जैन, अंकित जैन, नितिन जैन, अतुल द्र जैन, अशोक जैन, अनुज जैन म अरिहंत, संजय जैन, अर्पित जैन, अमन जैन, सुमित जैन, आशीष जैन आदि उपस्थित रहे।

आज सुबह निगम प्रशासन एवं यातायात विभाग मिलकर सड़कों के ऊपर से कंडम वाहन हटाने का अभियान चलाएंगे

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिका निगम भिलाई क्षेत्र में कल सुबह 7:30 बजे से सभी जोन के जोन कमिश्नर और यातायात विभाग के अधिकारीगण की उपस्थिति में संयुक्त अभियान चलाया जाएगा। जो भी पुराने कंडम वाहन सड़क के ऊपर रखे गए

हैं, उन्हें एक बार नोटिस देकर हटा दिया जाएगा। इन वाहनों के कारण आवागमन में बहुत परेशानी हो रही है। ट्रैफिक जाम लग जाता है और दुर्घटनाएं होती है।

बहुत सारे गैरेज वाले, मिस्त्री वाहन बनाने वाले, दुकान वाले, पुराने वाहन बेचने वाले, जो वाहन पुराने हो गए हैं। उन सब वाहनों को सड़क के किनारे या सर्विस रोड में या ब्रिज के नीचे कहीं पर खड़ा कर दिए हैं। उन सभी वाहनों का जप्ती बनाया जाएगा, इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी वाहन मालिक की होगी। उच्चतम न्यायालय का भी निर्देश है कि सड़क के ऊपर किसी प्रकार बाधा हो तो उसे तुरंत हटाया जाए। जिससे आवागमन में कोई परेशानी ना हो और किसी प्रकार की दुर्घटना ना हो।

निगम प्रशासन संयुक्त रूप से वाहन हटाने की कार्यवाही करने जा रही है। आज आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, उपयुक्त नरेंद्र बंजारे, जोन कमिश्नर अजय सिंह राजपूत, येशा लहरे, सतीश यादव, रवि सिन्हा, कुलदीप गुप्ता के साथ निगम के चीफ इंजीनियर भागीरथी वर्मा, अधीक्षक अभियंता दीपक जोशी, डीके वर्मा, प्रभारी यातायाता आकाश गंगा जोन के उपनिरीक्षक यशवंत राठौर, सहायक उपनिरीक्षक राजकुमार दुबे, आरक्षक विजय शर्मा, तिलक साहू एवं अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में बैठक संपन्न हुई। सभी लोगों का मत था की पुराने कंडम वाहनों को सड़क पर से हटाया जाए, इससे नगर की शोभा बिगड़ रही है। दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है, सभी से सहयोग की अपेक्षा है। वाहन मालिक स्वयं से अपना वाहन हटा लें नहीं तो निगम उसे जप्ती बना लेगा। नगर निगम अधिनियम 1956 एवं यातायात विभाग के नियमों के अनुसार उसकी नीलामी कर दी जाएगी।

नगर निगम स्वास्थ्य प्रभारी ने वार्ड क्रमांक 9 और 10 में साफ-सफाई व्यवस्थाओं का किया औचक निरीक्षण

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत महापौर श्रीमती अलका बाघमार के मार्गदर्शन में आज गुरुवार को सुबह स्वास्थ्य प्रभारी नीलेश अग्रवाल द्वारा विद्युत व यांत्रिकी प्रभारी व वार्ड नंबर 9 पार्षद ज्ञानेश्वर ताम्रकार एवं बाजार व राजस्व प्रभारी एवं वार्ड नंबर 10 पार्षद शेखर चंद्राकर, सफाई दरोगा सुरेश भारती के साथ वार्ड नंबर 9 और 10 का आकस्मिक निरीक्षण किया गया।निगम स्वास्थ्य प्रभारी द्वारा वार्डो के औचक निरीक्षण के दौरान एक कर्मचारी हाजरी लगाकर अपनी ड्यूटी से गायब पाया गया।उन्होंने कार्रवाही कर तुरंत निलंबित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रोस्टर अनुरूप हो हर वार्ड में सफाई। स्वास्थ्य प्रभारी नीलेश अग्रवाल ने निरीक्षण के दौरान नागरिकों से रूबरू होकर उनकी समस्यों पर की चर्चा। निरीक्षण के मौके पर नाली सफाई कार्य का निरीक्षण करते हुए मौजूद अधिकारी

से कहा कि जितनी भी नालियां जाम की स्थिति में बनी हुई है उन सभी नालियों को चिन्हित कर निकासी के लिए बेहतर व्यवस्था बनाये, सफाई व्यवस्था को और भी बेहतर बनाये सफाई दरोगा को निर्देश देते हुए कहा कि गली मोहल्ले की सड़के नाली सफाई तत्काल सुधारकर व्यवस्था बनाये।

शिवनाथ नदी मुक्ति धाम मार्ग चौड़ीकरण कार्य का महापौर ने किया डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत महापौर श्रीमती अलका बाघमार शहर को बेहतरी सिटी की तर्ज पर विकसित करने बेहतर शहर स्थापित करने लगातार प्रयासरत है जिसके लिए शिवनाथ नाथ मुक्तिधाम मार्ग डामरीकरण कार्य महापौर श्रीमती अलका बाघमार द्वारा सभापति श्याम शर्मा, लोककर्म प्रभारी देवनारायण चन्द्राकर, एमआईसी सदस्य शेखर चन्द्राकर,ज्ञानेश्वर

ताम्रकर,काशीराम कोसरे,पार्षद कुलेश्वर साहू के साथ भूमिपूजन कर डामरीकरण कार्य की शुरूवात की। मौके पर उन्होंने अधिकारियों के साथ निर्माण कार्य स्थल का निरीक्षण कर शिवनाथ नदी गंजपारा महमरा मार्ग पर डामरीकरण सड़क चौड़ीकरण कार्यो को लेकर कार्य मे तेजी लाने की बात मौजूद अधिकारियों से कही। उन्होंने अधिकारियों को कार्यो में सतत मॉनिटरिंग करते हुए तय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से जल्द पूर्ण करवाया जाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता में परिषद की बैठक में विभिन्न विकास कार्यों को दी गई मंजूरी

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई के महापौर परिषद की बैठक महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता में आहूत की गई। बैठक में बिन्दुवार 10 एजेण्डा विस्तृत चर्चा हेतु रखा गया था। जिसमें प्रमुख रूप से माननीय मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना अंतर्गत प्रथम चरण में प्रदेश के समस्त नगर पालिक निगमों हेतु शहर में यातायात की बढ़ती समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए सड़क निर्माण, चौंडीकरण जैसे अन्य कार्य कराया जाना है। इसी के तारतम्य में जोन 02 वैशाली नगर क्षेत्रांतर्गत विकास कार्यो को समिति के सदस्य के समक्ष प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से वार्ड क्रं. 21 विद्युत पोल क्रं. 21/360, वार्ड क्रं. 23 घॉसीदास नगर कर्बला मैदान के सामने मुख्य मार्ग, वार्ड क्रं. 21 कैलाश नगर विद्युत पोल क्रं. 21/347 तक अटल आवास मार्ग, वार्ड क्रं. 22 प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना से सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल तक, वार्ड क्रं. 21 महावीर मार्ग का सीमेंटीकरण एवं नाली निर्माण, वार्ड क्रं. 25 जवाहर नगर वेडिंग जोन से ज्योतिबा फुले चौंक तक, वार्ड क्रं. 22 कुरूद बस्ती से गोकुल नगर तक डामरीकरण एवं सीमेंटीकरण एवं नाली निर्माण 634 लाख 67 हजार के प्रस्ताव की आवश्यकता को देखते हुए स्वीकृति प्रदान किया गया।

इसी प्रकार जोन क्रं. 03 में सड़क नं. 18 के बगल से जवाहर मार्केट तक, बैकुण्ठधाम मंदिर से होते हुए किशन चौंक होते हुए नंदिनी रोड तक की स्वीकृति प्रदान की गई। वार्ड 07 रानी अवंती बाई सरोवर का सौंदर्यीकरण कार्य वार्ड पार्षद, आम नागरिको के मांग अनुसार एवं उच्च अधिकारियों के भ्रमण के दौरान कार्य की आवश्यकता को देखते हुए 181 लाख 39 हजार का पत्र शासन को भेजे जाने से पूर्व अनुमति हेतु महापौर परिषद में रखा गया था। जिसे परिषद में चर्चा के बाद स्वीकृति प्रदान की। शहीदों के सम्मानों में उनके नाम पर सड़कों, चौराहों, भवनों एवं ईमारतों के नामकरण के संबंध में प्रस्ताव आया जिस पर समिति के सदस्यों ने चर्चा के दौरान महापौर पाल ने अधिकारियो को यह भी बताया कि यह ध्यान रखा जावे कि किसी भी चौंक चौराहो का पूर्व में नामकरण न हुआ हो।

नगर निगम भिलाई पावर हाउस बस स्टैण्ड भवन को छ.ग. शासन, श्रम विभाग के अधीन कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं, नंदिनी रोड केन्द्र को किराये पर देने बाबत चर्चा उपरांत स्वीकृति प्रदान की गई। इससे नगर निगम भिलाई को 85839.00 रूपये प्रतिमाह किराये के रूप में प्राप्त होगा, जिसे सर्व सम्मति से पारित किया गया।

महापौर परिषद के सदस्यगण, आयुक्त एवं अधिकारीगणों द्वारा पहलगांव में आतंकी हमलों में हताहत हुए पर्यटकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए 2 मीनट का मौन रखा गया। ईश्वर से प्रार्थना किया गया कि उनके परिवारो को दूख सहने का संबल प्रदान करें। जो लोग घायल है वे शीध्र स्वस्थ्य हो जावे।

बैठक में महापौर परिषद के सदस्य लक्ष्मीपति राजू, सीजू एन्थोनी, संदीप निरंकारी, आदित्य सिंह, एकांश बंछोर, लालचंद वर्मा, केशव चैबे, चंद्रशेखर गंवई, नेहा साहू, आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, सचिव नरेन्द्र कुमार बंजारे आदि उपस्थित रहे।

पहलगाम में आतंकी हमलों में हताहत हुए पर्यटकों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त करते हुए 2 मीनट का मौन रखा गया

भारत के उभरते प्रभावशाली नेतृत्व से कुपित देशों की षड्यंत्रकारी चाल है पहलगाम कांड : साईं मसन्द

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत के उभरते प्रभावशाली नेतृत्व व प्रगति से कुपित देशों की षड्यंत्रकारी चाल है पहलगाम। ये विचार 23 अप्रैल को स्थानीय सड्डू विधानसभा रोड स्थित अविनाश कैपिटल होम्स फेस दो कालोनी में कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा भारत के हिन्दू पर्यटकों की चुन-चुनकर की गई जघन्य हत्या में मृतक लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने आयोजित शोकसभा में कालोनी निवासी परम धर्म संसद 1008 के संगठन मंत्री, मसन्द सेवाश्रम के पीठाधीश प्रख्यात देशभक्त संत साईं जलकुमार मसन्द साहिब ने श्रद्धांजलि सभा के प्रमुख वक्ता के तौर पर व्यक्त किए।

श्रद्धांजलि सभा का आयोजन फ्लैट समिति की लोकप्रिय उपाध्यक्ष श्रीमती विद्या घोंगड़े एवं पत्रकार व वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता प्रभाकर श्रीवास्तव के संयुक्त संयोजन में किया गया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व सैनिक व कुशल वक्ता मिर्जा शफी अहमद ने किया। कालोनी के फ्लैट व स्वतंत्र आवासों से सम्बंधित समितियों, वरिष्ठ नागरिकों की समिति, मंदिर समिति, ईद मिलन समारोह समिति आदि विभिन्न संगठनों के प्रमुख पदाधिकारियों सहित सैकड़ों की संख्या में कालोनी के हर समाज के पुरुष व महिला निवासियों ने श्रद्धांजलि सभा में शामिल होकर मृतक लोगों की स्मृति में मोमबत्तियां जलाकर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

साईं मसन्द साहिब ने कहा कि भारत के नागरिकों को अब ऐसी श्रद्धांजलि सभाओं में मृतक लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने मात्र मोमबत्तियां जलाने के कर्तव्य तक सीमित न रहकर भारत के विरुद्ध ऐसे षड्यंत्रों की तह में जाकर उसके निराकरण के स्थायी उपायों पर चर्चा भी करना चाहिए। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि युगों से धन-धान्य से परिपूर्ण सोने की चिड़िया कहलाने वाला भारत सारे संसार का कल्याण करने में समर्थ अपने सनातन ज्ञान के आधार पर विश्वगुरु की भूमिका निभाने के बावजूद आजादी से पहले और आजादी के बाद भी दुनिया के अनेक स्वार्थी देशों की लूट और षड्यंत्रों का शिकार बनता रहा है।

इस तारतम्य में उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत के नागरिकों को यह बात कभी नहीं भूलाना चाहिए कि लोकमान्य बालगंगाधर तिलक, महर्षि अरविन्द आदि देश की आजादी के पुरोधाओं द्वारा स्पष्ट किया गया था कि हम भारत को इस लिए आज़ाद कराना चाहते हैं कि हमारा भारत विश्व का कल्याण कर सकने वाली विश्वगुरु की अपनी पूर्ववर्ती भूमिका पुन: निभा सके, जिसे हम एक परतंत्र देश के रूप में नहीं निभा सकते। उन्होंने बताया कि कुछ वर्षों से भारत के पूज्यपाद चारों शंकराचार्यों के नेतृत्व व मार्गदर्शन में दुनिया के 108 देशों में कार्यरत उनका अंतर्राष्ट्रीय संगठन परम धर्म संसद 1008 इस दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बेहद भ्रष्ट हो चुके भारत के पुनरोद्धार हेतु परम धर्म संसद 1008 का यह रचनात्मक प्रयास एक सर्वश्रेष्ठ उपाय है।

www.dainikvishwaparivar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक विश्व परिवार

संक्षिप्त समाचार

तेंदुए से पोते की जान बचाने वाले बुजुर्ग दर्शन नेताम सम्मानित, कलेक्टर और डीएफओ ने किया बहादुरी को सलाम

गरियाबंद (विश्व परिवार)। विकासखण्ड छुरा के ग्राम कोठीगांव निवासी बुजुर्ग दर्शन नेताम ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए तेंदुए के चंगुल से अपने 4 वर्षीय पोते प्रदीप नेताम की जान बचाई। यह दिल दहला देने वाली घटना उस समय हुई जब प्रदीप आंगन में खेल रहा था और तेंदुआ उस पर झपट पड़ा। तेंदुआ प्रदीप को उठाकर जंगल की ओर ले जा रहा था, तभी उसके दादा दर्शन नेताम ने बिना किसी भय के जान की परवाह किए बिना तेंदुए का पीछा किया। कुछ ही दूरी पर उन्होंने तेंदुए की पीठ पर छलांग लगाकर पोते को उसके जबड़े से छुड़ाया। इस साहसिक कार्रवाई के बाद तेंदुआ जंगल की ओर भाग गया। घटना में बालक को हल्की चोट आई, लेकिन उसकी जान बच गई। इस वीरता पूर्ण कार्य के लिए कलेक्टर भगवान सिंह उइके ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में डीएफओ लक्ष्मण सिंह की उपस्थिति में दर्शन नेताम को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। कलेक्टर ने दर्शन नेताम के साहस की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने न केवल अपने पोते की जान बचाई, बल्कि सभी के लिए प्रेरणा का कार्य किया है। कलेक्टर ने ग्रामीणों से अपील की कि वे जंगलों के समीप सतर्क रहें और जंगली जानवरों के दिखने पर तुरंत वन विभाग को सूचित करें। वहीं, डीएफओ श्री लक्ष्मण सिंह ने भी दर्शन नेताम की बहादुरी की सराहना की और लोगों को जंगली जानवरों से सुरक्षित रहने की सलाह दी।

अवैध शराब के साथ युवक गिरफ्तार

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। थाना डोंगरगांव दिनांक 23.04-25 को पुलिस अधीक्षक राजनादगांव मोहित गर्ग के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा पुलिस अनु0 अधि0 डोंगरगांव, दिलीप सिंह सिसोदिया राजनादगांव के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी डोंगरगांव ,निरीक्षक अवनीश कुमार श्रीवास के नेतृत्व मे थाना डोंगरगांव क्षेत्रों मे गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखते हुये दिनांक 22.04.2025 को थाना डोंगरगांव पुलिस को प्राप्त मुखबीर से सुचना के आधार पर थाना डोंगरगांव मे पुलिस टीम प्र0आर0233 संदीप देशमुख ,आर0 क्रमांक 948 चंद्रपाल लहरे , आर0 390 जितेश साहू के मुखबीर के बताये स्थान पर घेराबंदी कर रेडकार्यवाही किया गया , रेडकार्यवाही के दौरान आरोपी द्वारा अपराध धारा- 34(1) (ख) आबकारी एक्ट के तहत अपराध घटित करने से आरोपी आकाश ठाकुर पिता फागुराम ठाकुर , उम्र- 19 साल, पता- ग्राम सालिकझिटिया , थाना डोंगरगांव जिला राजनांदगांव, छ0ग0 के पास एक हरे सफेद रंग के प्लास्कि बोरी मे 20 नग देशी प्लेन शराब शोले प्रत्येक मे 180 एमएल , सीलबंद, कीमती 1600/- रूपये बिक्री रकम 800/- रूपये कुल जुमला 2400/-रूपये जप्त किया गया है एवं आरोपी को गिर0 की कार्यवाही कर अप0 पंजी0 कर विवेचना मे लिया गया है ।

संकुल केंद्र सढ़ोली में सेवानिवृत्त शिक्षकों का विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित

गरियाबंद (विश्व परिवार)। संकुल केंद्र सढ़ोली में एक भावपूर्ण विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सेवानिवृत्त शिक्षकों को संकुल परिवार की ओर से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सेवानिवृत्त व्याख्याता बी. पी. देवांगन, प्रधान पाठक शिव मूर्ति सिन्हा तथा शिक्षक ललित कुमार सिन्हा को शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर तीनों शिक्षकों ने अपने दीर्घ शिक्षकीय अनुभव साझा करते हुए कहा कि शिक्षक समाज का मार्गदर्शक होता है तथा उसका दायित्व अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा कि हर शिक्षक को अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण ईमानदारी और निष्ठा से करना चाहिए, ताकि वह समाज में एक आदर्श स्थापित कर सके।

कार्यक्रम की शुरुआत में संकुल प्राचार्य श्रीमती रेखा शुक्ला ने स्वागत भाषण देते हुए सेवानिवृत्त शिक्षकों के सफल कार्यकाल की सराहना की। संकुल समन्वयक श्री दल प्रसाद साहू ने भी इन शिक्षकों के कार्य को अनुकरणीय बताते हुए उनके अनुभव से सीख लेने की बात कही।

कार्यक्रम का संचालन गिरीश शर्मा ने कुशलता से किया तथा आभार प्रदर्शन रूपेस्वर यादव द्वारा व्यक्त किया गया। इस गरिमामय अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षकगण उपस्थित थे, जिनमें प्रमुख रूप से प्राचार्य बंटी राय, बी. के. हिरवानी, सुरेश ध्रुव, गुलाब देवांगन, गोविंद साहू, दुलेश चंद्रवंशी, फलश शांडिल्य, पप्पू वर्मा, त्रिलोचन साहू, एकांत पटेल, टेक राम सेन, डोमन लाल साहू, चैन सिंह यादव, झूमक टेकाम, देवेन्द्र कांशी, कपिल सिन्हा, ज्ञानेन्द्र शर्मा, नारायण चंद्राकर, ओम प्रकाश साहू, ओमेस्वरी वर्मा, कविता सिन्हा, योगिता साहू, लक्ष्मी दीवान, लामस्वरी साहू, टोकसवरी आमदे, मथुरा नाग, जीतेसवरी साहू, ज्योति सोनी, अनुराधा साहू, सुधा सुमन प्रधान, रोशनी साहू, प्रेमलता यादव, गिरिजा कोराम आदि सम्मिलित थे।

उड़ीसा के चार चोर गिरफ्तार, आंगनबाड़ी से बैटरी चुराकर भाग रहे थे , मैनपुर पुलिस की त्वरित कार्रवाई

गरियाबंद (विश्व परिवार)। ग्राम अमलोर स्थित आंगनबाड़ी से बैटरी चोरी कर रहे चार चोरों को मैनपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए धर दबोचा। यह चोर उड़ीसा प्रांत के निवासी हैं, जो एक छोटा हाथी वाहन में चोरी की योजना बनाकर आए थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थी द्वारा थाना मैनपुर में दर्ज शिकायत में बताया गया कि दिनांक 23 अप्रैल को दोपहर करीब 12 बजे अज्ञात चोरों ने आंगनबाड़ी का ताला तोड़कर वहां रखी दो नग बैटरियां चोरी कर लीं। चोर बैटरियां छोटा हाथी वाहन (क्र. ह्ष्ठ 26 श्च-8231) में भरकर फरार हो रहे थे।

पुलिस ने धारा 331(3), 305, 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। मुखबिर की सूचना पर थाना मैनपुर की पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। पूछताछ में उन्होंने चोरी की बात कबूल की। सभी आरोपियों को गवाहों की उपस्थिति में विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका: इस सफलता में थाना प्रभारी निरीक्षक शिवशंकर हुर्रा, उपनिरीक्षक ज्ञानेश्वर सिंह गंगवाल, प्रआर. चुडामणी देवता, प्रहलाद थानापति, कोमल धृतलहरे, प्रवीण वर्मा, मोती लाल भुआर्य, अमरजीत कुर्रे, यादराम पटेल, मआर0 धनेश्वरी साहू, मआर0 531 सहित मैनपुर पुलिस स्टाफ की अहम भूमिका रही।

गिरफ्तार आरोपी:

1. शान बाबू पिता पाण्डे मरकाम - निवासी सुरजा नगर, नुआपाडा, उड़ीसा
2. गुनिया भुंजिया पिता टिकेश भुंजिया - निवासी सुरजा नगर, नुआपाडा, उड़ीसा
3. बसंती भुंजिया पति गुनिया भुंजिया - निवासी सुरजा नगर, नुआपाडा, उड़ीसा
4. रूखमणी भुंजिया पति मनोहर भुंजिया - निवासी सुरजा नगर, नुआपाडा, उड़ीसा

बरामद सामग्री:

दो नग बैटरी (कीमत लगभग 12,000)

छोटा हाथी वाहन क्र. OD 26 श्च-8231 (कीमत लगभग 2,50,000)

कुल जब्ती: 2,62,000

पहलगाम आतंकी हमले पर जिला अधिवकता संघ ने निंदा प्रस्ताव पारित किया

धमतरी(विश्व परिवार)। जिला अधिवक्ता संघ, धमतरी की यह सभा जम्मू एवं कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए कायराना आतंकवादी हमले में मारे गए निर्दोष पर्यटकों के प्रति गहरा शोक एवं संवेदना व्यक्त करती है। यह संघ इस घृणित कृत्य की कड़ी शब्दों में निंदा करता है, जिसमें निहत्थे और शांतिप्रिय नागरिकों को आतंकवादियों द्वारा निशाना बनाया गया। यह बर्बर घटना मानवता के मूल्यों पर सीधा प्रहार है और यह आतंकवादियों की हिंसा और नफरत की विचारधारा को दर्शाती है। जिला अधिवक्ता संघ, धमतरी, दृढ़ता से मानता है कि इस प्रकार की आतंकी गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाना अत्यंत आवश्यक है। अतः, यह संघ सर्वसम्मति से निम्नलिखित प्रस्ताव पारित करता है:

* जिला अधिवक्ता संघ, धमतरी, पहलगाम में मारे गए निर्दोष पर्यटकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है और इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ा है। यह संघ इस आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता है और इसे मानवता के विरुद्ध एक जघन्य अपराध मानता है। यह संघ भारत सरकार से मांग करता है कि वह इस घटना की गहन जांच करे और इसमें शामिल सभी आतंकवादियों एवं उनके समर्थकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करे, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। यह संघ सरकार से यह भी मांग करता है कि वह जम्मू एवं कश्मीर में नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए और क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास करे। यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।इस अवसर पर जिलाअधिवक्ता संघ धमतरी के अध्यक्ष बीके सिंह सचिव सौरभ मिश्रा उपाध्यक्ष नंदकुमार स पूर्व उपाध्यक्ष जानकी तिवारी महिला उपाध्यक्ष सीमा सोनी, वरिष्ठ अधिवक्ता शत्रुहन सिंह साहू लील पटेल सुनील कुमार सोलंके भीखम लाल सिन्हा गोपी कुर्रे ग्रेवेंद्र पटेल अजीत साहू दानीराम साहू ।

जिले के गांव-गांव में परिवर्तन की बयार देखने को मिल रही

कोरिया(विश्व परिवार)। सुशासन तिहार 2025 के तहत कोरिया जिले के गांव-गांव में परिवर्तन की बयार देखने को मिल रही है। इसी कड़ी में ग्राम आंजोखुर्द स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला को स्मार्ट शिक्षा की सौगात मिली है। अब इस विद्यालय में स्मार्ट टीवी के माध्यम से बच्चे डिजिटल तरीके से पढ़ाई कर सकेंगे। शाला प्रबंधन एवं विकास समिति तथा ग्रामीणों ने स्मार्ट टीवी लगाने की मांग को लेकर शिक्षा विभाग को आवेदन सौंपा था। इस पर विभाग ने गंभीरता दिखाते हुए त्वरित कार्रवाई की और स्कूल में स्मार्ट टीवी स्थापित करवा दिया। जैसे ही टीवी स्कूल में लगा, बच्चों में खुशी की लहर दौड़ गई। बच्चों ने कहा कि अब वीडियो, चित्र और ऑडियो के माध्यम से पढ़ाई और भी रोचक हो गई है। शिक्षकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे कठिन विषयों को समझाना आसान होगा और बच्चों की रुचि भी पढ़ाई में बढ़ेगी। शाला समिति अध्यक्ष नारायण सिंह ने बताया, हमने सुशासन तिहार के दौरान जो मांग रखी थी, वह इतनी जल्दी पूरी होगी, यह सोचा नहीं था। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग का हम आभार व्यक्त करते हैं। छात्रों ने बताया कि वे अब खुद भी टीवी पर पढ़ाई के लिए आगे आ रहे हैं। इससे स्कूल में उपस्थिति भी बढ़ेगी और माहौल उत्साहपूर्ण होगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर पूरे प्रदेश में सुशासन तिहार मनाया जा रहा है। सुशासन तिहार के माध्यम से शासन-प्रशासन न केवल समस्याएं सुलझा रहा है, बल्कि गांवों व हितग्राहियों में उम्मीद और नवाचार की नई रोशनी भी जगा रहा है।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने आतंकी हमले में शहीद पर्यटकों को कैंडल जलाकर अर्पित की श्रद्धांजलि...

पहलगांव की घटना बेहद निंदनीय,भारत सरकार उचित व ठोस कदम उठाए, कोई भी आतंकी बख्शा नहीं जाना चाहिए सुशील मौर्य

जगदलपुर (विश्व परिवार)। बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य जी के नेतृत्व में कल जम्मू कश्मीर के पहलगांव में आतंकी हमले में शहीद पर्यटकों को जगदलपुर शहर के सिरहसार चौंक पर स्थित शहीद स्मारक पर समस्त पर्यटकों को शहर कांग्रेस के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं द्वारा कैंडल जलाकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया गया....

शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा जम्मू कश्मीर के पहलगांव में आतंकी द्वारा निर्दोषों को निशाना बनाना कायरता की पराकाष्ठा है बेहद अमानवीय घटना व घोर निंदनीय है। शहर जिला कांग्रेस कमेटी देश के प्रधानमंत्री से मांग करती है कि आतंकी राष्ट्र पाकिस्तान को इस हमले का मुंह तोड़ जवाब देना चाहिए साथ ही इस देश की आंतरिक सुरक्षा में हुई चूक को लेकर गंभीर होना चाहिए देश की आंतरिक आईबी, एलआईबी सहित तमाम बड़ी सुरक्षा एजेंसी से कैसे चूक हो जाती है इस पर सोच विचार करना चाहिए साथ ही देश के किसी भी हिस्से में इस प्रकार की घटना न इसके लिए बेहतर कदम उठाने चाहिए....मै ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें एवं शोक संतप्त परिजनों को यह असीम पीड़ा सहन करने की शक्ति दें।

इस अवसर पर नेता प्रतिपक्ष/पार्षद राजेश चौधरी, उपनेता प्रतिपक्ष कोमल सेना,महिला कांग्रेस अध्यक्ष लता निषाद, महामंत्री सेमिएल नाथ, ब्लॉक अध्यक्ष सहदेव नाग,वरिष्ठ कांग्रेसी एम वेंकट राव,गौरनाथ नाग,मनोज साहनी,कविता साहू, जावेद खान,पार्षद सूर्या पानी,अफरोज बेगम,शुभम यदु,जस्टिन भवानी,ललिता राव,कमलेश पाठक,एस नीला,सायमा अशरफ सुनीता दास,राजेश साहू,सलीम अली,उत्तम साहू,राजेन्द्र पटवा,मंगलू मरकाम,आदि उपस्थित थे।

महापौर संजय पाडेय की उपस्थिति मे की गई महत्वपूर्ण बैठक

नगर निगम ने की 31 टुल्लू पंप जप्त

04 करोड़ 72 लाख 72 हजार जलकर वसूली बाकी

जलकर वसूली अभियान होंगी तेज नहीं देने पर होगी कार्यवाही

सहायक राजस्व निरीक्षक एवं पंप ऑपरेटर मिलकर करेंगे जलकर वसूली

नगर निगम द्वारा जलकर बकायादारों के खिलाफ वसूली को लेकर निगम ने शिकंजा कसना किया प्रारंभ

जगदलपुर (विश्व परिवार)। वित्तीय वर्ष 2024-25 की जलकर वसूली बहुत ही कम है वर्ष 2024 - 25 के पूर्व के बकाया व वर्तमान वित्तीय वर्ष के जलकर की शत प्रतिशत वसूली करने सोमवार से अभियान चालू किया गया।04 करोड़ 72 लाख 72 हजार जलकर वसूली की जा रही है।

नगर पालिका निगम जगदलपुर के पीएचई अमले द्वारा अभियान चलाकर जलकर वसूली की जाएगी। जिसके तहत गुरुवार महापौर संजय पांडे की उपस्थिति में एवं आयुक्त नगर निगम प्रवीण वर्मा के दिशा निर्देश पर नगर पालिका निगम जगदलपुर में जल कार्य सभापति सुरेश गुप्ता एवं राजस्व सभापति संग्राम सिंह राणा की उपस्थिति में पीएचई एवं राजस्व अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। जिसकी तहत 2024 - 25 मे जलकर की मांग 7 करोड़ 67 लाख 45 हजार है अभी तक की जलकर वसूली 31 मार्च तक 2 करोड़ 91 लाख 73 हजार हो पाई है जिसका प्रतिशत 38.16 है.

नगर पालिका निगम जगदलपुर के 48 वार्ड में जल कनेक्शन लेने वालों की संख्या 22311 है। जिसमें 3051 लोगो से 10000 से ऊपर जलकर बकाया है. जिसमें 4 करोड़ 12 लाख 08 हजार की जलकर वसूली बकाया है। सहायक राजस्व निरीक्षक एवं पंप ऑपरेटर मिलकर जलकर की वसूली करेंगे। अभी तक 31 टुल्लू पंप जप्त किए गए हैं। जगदलपुर के प्रवीर वार्ड मे 66 उपभोक्ताओं से 18 लाख 69 हजार 279 रूपये, विजय वार्ड 42 उपभोक्ताओं से 12 लाख 21 हजार 306, शिव मंदिर वार्ड 42 उपभोक्ताओं से 12 लाख 62 हजार 523 रुपये,भैरम देव वार्ड 72 उपभोक्ताओं से 18 लाख 40 हजार 785, वीर सावरकर वार्ड 42 उपभोक्ताओं से 11 लाख 72 हजार 654 रूपये जलकर वसूली किया जाना बाकी है। समस्त 48 वार्ड मिलाकर 3051 उपभोक्ताओं से जलकर वसूली लेना पाया गया है।

महापौर संजय पांडे ने कहा जल कार्य सभापति सुरेश गुप्ता एवं राजस्व सभापति संग्राम सिंह राणा एवं अधिकारियों के साथ हमारी आज बैठक हुई. जिसमें जल्द से जल्द जलकर वसूली करने का निर्देश दिया है।01 महीने के अंदर अधिकारियों को जलकर वसूलने कहा गया है। टुल्लू पंप जप्ती का भी निर्देश दिया है। जलकर अगर नहीं देते हैं तो चिन्हित करके नल कनेक्शन काटे जाएंगे।अवैध नल कनेक्शन को भी काटा जाएगा।

जलकर सभापति सुरेश गुप्ता एवं राजस्व सभापति संग्राम सिंह राणा ने कहा बकायादारों की जलकर की राशि जमा कराकर असुविधा से बचने की अपील की गई है। इस बैठक में मुख्य रूप से राजस्व निरीक्षक विनय श्रीवास्तव, कुलदीप पाणिग्रही,सब इंजीनियर संजीव कर्ण उपस्थित थे।

दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ को 8 विकेट से हराया, राहुल-पोरेल ने जड़े अर्धशतक

लखनऊ(एजेंसी)। केएल राहुल नाबद 57 रन और अभीषेक पोरेल के 51 रनों की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 8 विकेट से मात दे दी है. इस जीत के साथ दिल्ली के 12 प्वॉइंट्स हो गए हैं और वो अंक तालिका में दूसरे नंबर पर ही बने हुए हैं. जबकि लखनऊ 10 अंक के साथ 5वें स्थान पर ही है. 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करना डीसी के लिए आसान काम साबित हुआ क्योंकि उनके सलामी बल्लेबाज अभिषेक पोरेल और करुण नायर ने टीम को अच्छी शुरुआत दी और 3.4 ओवर में 36/1 रन बनाए. नायर को एडेन मार्करम ने 15 रन पर आउट कर दिया, लेकिन पोरेल (36 गेंद में 51 रन) ने केएल राहुल के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 69 रन जोड़े. पोरेल पचास रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन अक्षर पटेल (20 गेंद 34 रन) ने राहुल (42 गेंद 57 रन) के साथ पारी को आगे बढ़ाया और टीम को जीत दिलाकर दम लिया. एडेन मार्करम एलएसजी के लिए एकमात्र विकेट लेने वाले गेंदबाज थे. इससे पहले, लखनऊ सुपर जायंट्स ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 159 रन बनाए थे. लखनऊ की ओर से एडन मार्करम ने 33 गेंदों में दो चौके और तीन छक्कों के दम पर 52 रनों की पारी खेली. उनके अलावा मिचेल मार्श ने 36 गेंदों में 45 रनों की पारी खेली. आयुष बडोनी ने 36 रनों की पारी खेली. दिल्ली के लिए मुकेश कुमार ने 4 ओवर में 33 रन देते हुए 4 विकेट झटेक. केएल राहुल आईपीएल में सबसे कम इनिंग (130 पारी) में 5000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए. इससे पहले ये रिकॉर्ड डेविड वॉर्नर के नाम था, जिन्होंनें 135 पारी में ये उप्लब्धि हासिल की थी.

व्यापार समाचार

गूगल मैसेज का नया सुरक्षा फीचर अश्लील तस्वीरें ऑटोमैटिक ब्लर होंगी; जानें कैसे करेगा काम

नई दिल्ली(एजेंसी)। गूगल अपने करोड़ों यूजर्स के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए लगातार नए फीचर्स पेश कर रहा है। इसी कड़ी में, कंपनी ने हाल ही में अपने मैसेज (स्द्गह्यह्यड्डद्दद्गह्य) ऐप में एक नया सुरक्षा फीचर रोल आउट किया है। यह फीचर ऐप में आने वाली या शेयर की जाने वाली आपत्तिजनक या संवेदनशील तस्वीरों को अपने आप ब्लर कर देगा। पिछले साल के अंत में पहली बार घोषित की गई यह सुविधा, डिवाइस पर मौजूद ्रढ्ढ (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का उपयोग करके संवेदनशील कंटेंट का पता लगाती है और यूजर्स को ऐसी मीडिया फाइलों को देखने, भेजने या फॉरवर्ड करने से पहले एक चेतावनी जारी करती है। गूगल का कहना है कि यह नया सिस्टम सुरक्षित डिजिटल कम्युनिकेशन को बढ़ावा देने के लिए उनकी व्यापक पहल का हिस्सा है। इस फीचर की सबसे खास बात इसकी प्राइवेसी है। ्ठ्ठस्रह्म्श्रद्बस्र सिस्टम के स्ड्डद्घद्गह्ล4ष्टश्रह्द्ग द्वारा समर्थित इस तकनीक को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि सभी कंटेंट एनालिसिस डिवाइस पर ही होता है। इसका सीधा मतलब है कि किसी भी फोटो का डेटा या उपयोगकर्ता की पहचान संबंधी जानकारी गूगल के सर्वर पर नहीं भेजी जाती है। यह न केवल यूजर्स की प्राइवेसी बनाए रखता है, बल्कि उन्हें संभावित जोखिम भरे इंटरैक्शन से भी बचाता है। गूगल ने बताया है कि 18 साल से कम उम्र के यूजर्स के लिए यह अलर्ट डिफॉल्ट रूप से चालू रहेगा। हालांकि, इसे गूगल मैसेज सेटिंग में जाकर मैन्युअल रूप से बंद करने का विकल्प मौजूद है। वयस्कों के लिए, यह सुविधा ऑप्ट-इन है, जिसका अर्थ है कि इसे इस्तेमाल करने के लिए उन्हें मैन्युअल रूप से ऑन करना होगा। गूगल का यह नया सिक्योरिटी सिस्टम किसी आपत्तिजनक फोटो को भेजने या फॉरवर्ड करने से ठीक पहले सक्रिय हो जाता है। यदि ऐसा कोई कंटेंट डिटेक्ट होता है, तो यूजर्स को एक पॉप-अप मैसेज दिखाई देगा जिसमें उनसे पूछा जाएगा कि क्या वे 'ड्ढद्गह्य, ह्यद्गठ्ठस्र' या 'ह्श, स्रश्ठ'ह्ल ह्यद्गठ्ठस्र' चुनना चाहते हैं। यह पॉप-अप मैसेज यूजर्स को संवेदनशील कंटेंट भेजने से पहले सोचने और एक कदम पीछे हटने का मौका देता है। फिलहाल, यह फीचर केवल तस्वीरों पर लागू होता है और वीडियो पर काम नहीं करता है। यह सिर्फ तभी सक्रिय होता है जब फोटो को त्रश्शद्दद्यद्ग मैसेज ऐप के जरिए शेयर किया जाता है। इस सुविधा की घोषणा पिछले साल अक्टूबर में की गई थी।

सिग्निफाई ने ईकोलिंक फैन्स की नई श्रृंखला पेश की, जो शानदार और प्रीमियम डिज़ाइन के साथ एनर्जी एफिशियंसी प्रदान करेंगे

नईदिल्ली। लाईटिंग में वर्ल्ड लीडर, सिग्निफाई ने गर्मियों में ग्राहकों की मांग को पूरा करने के लिए आज अपने अत्याधुनिक एनर्जी-एफिशियंट इकोलिंक फैन्स की इनोवेटिव रेंज पेश की। ये फैन ज्यादा तेज परफॉर्मेंस, बेहतर एयर डिलीवरी, और एनर्जी एफिशियंट टेक्नोलॉजी प्रदान करते हैं। ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप निर्मित इस श्रृंखला में 4 नए मॉडल ङ्क एयरोएलिवेट, एयरोक्वाड, एयरोज्योमेट्री और एयरोज्वेल तथा 2 नए स्मार्ट मॉडल - एयरोज्योमेट्री स्मार्ट और एयरोज्वेल स्मार्ट हैं, जो सिग्निफाई के आईओटी प्लेटफॉर्म विज़ द्वारा पॉवर्ड हैं। ये इनोवेटिव फैन आधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ बेहतर परफॉरमेंस प्रदान करते हैं, ताकि ग्राहकों को किसी भी स्पेस में ताजा हवा मिले। 5850 रुपये से लेकर 8700 रुपये के बीच उपलब्ध ये 4 इनोवेटिव मॉडल ङ्क एयरोएलिवेट, एयरोक्वाड, एयरोज्योमेट्री और एयरोज्वेल बेहतर एयर डिलीवरी, और एफिशियंट परफॉरमेंस और बिजली की बचत करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। सुमित जोशी, एमडी एवं सीईओ, सिग्निफाई, ग्रेटर इंडिया ने कहा, ''सिग्निफाई में हम दैनिक जीवन में सुधार लाने के लिए बेहतर डिज़ाइन और इनोवेशन पेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप डिज़ाइन किए गए इकोलिंक फैन्स की नई शक्तिशाली रेंज पेश करके उत्साहित हैं। हमने विस्तृत अनुसंधान की मदद से ऐसी श्रृंखला तैयार की है, जो अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ एनर्जी एफिशिएंसी भी प्रदान करती है। एयरोएलिवेट, एयरोक्वाड, एयरोज्योमेट्री और एयरोज्वेल मॉडलों में हमने अद्वितीय डिज़ाईन और फीचर्स, जैसे एलईडी स्पीड इंडीकेटर, बीएलडीसी टेक्नोलॉजी, आरएफ रिमोट टेक्नोलॉजी और सीलिंग एडजस्टेबल माउंटिंग प्रणाली दी है, जो इंस्टॉलेशन के बाद भी डिज़ाइन की खूबसूरती को बरकरार रखती है। हमें विश्वास है कि यह अत्याधुनिक उत्पाद श्रृंखला प्रीमियम फैन की श्रेणी में नए मानक स्थापित कर देगी। सी अरुण कुमार, हेड, कंज़्यूमर बिज़नेस, सिग्निफाई ग्रेटर इंडिया ने कहा, ''हमारी नई रेंज कम से कम बिजली में चलने के लिए बनाई गई है, ताकि बिजली की बचत हो और बिजली का खर्च कम आए।

हरे निशान में खुला भारतीय शेयर बाजार, आईटी स्टॉक चमके

मुंबई(एजेंसी)। सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बीच बुधवार को घरेलू बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान में खुले। शुरुआती कारोबार में आईटी और ऑटो सेक्टर में खरीदारी दर्ज की गई। सुबह करीब 9.32 बजे, सेंसेक्स 536.4 अंक या 0.67 प्रतिशत बढ़कर 80,132.01 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 150.10 अंक या 0.62 प्रतिशत बढ़कर 24,317.35 पर था। निफ्टी बैंक 187.10 अंक या 0.34 प्रतिशत बढ़कर 55,834.30 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 359.70 अंक या 0.66 प्रतिशत बढ़कर 54,756.85 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 109.55 अंक या 0.71 प्रतिशत चढ़कर 17,013.20 पर था। बाजार पर नजर रखने वालों के अनुसार, फेडरल रिजर्व की नीतियों पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रभाव को लेकर अटकलों के बावजूद, निफ्टी का तकनीकी दृष्टिकोण 24,051 पर अपने 200-डीएमए से ऊपर मजबूत बना हुआ है। मेहता इक्विटीज के सीनियर वीपी (रिसर्च) प्रशांत तापसे ने कहा, निफ्टी का अगला लक्ष्य 24,858 स्तर है, जिसके लिए 24,000 लेवल तत्काल समर्थन है और इसका 100-डीएमए 23,397 स्तर पर है। पॉजिटिव कैटेलिस्ट में अमेरिका-चीन व्यापार तनाव के बीच भारत के संभावित लाभ शामिल हैं। इस बीच, सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, इंडसइंड बैंक, टीसीएस और टाटा मोटर्स टॉप गेनर्स थे। जबकि, केवल कोटक महिंद्रा बैंक और एशियन पेंट्स टॉप लूजर्स थे।

केएल राहुल ने वॉर्नर-कोहली का रिकॉर्ड तोड़कर रचा इतिहास, बने भारत के पहले बल्लेबाज

लखनऊ,(एजेंसी)। केएल राहुल ने मंगलवार को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में एलएसजी और डीसी के बीच खेले गए मैच में रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया. 42 गेंदों पर नाबाद 57 रनों की मैच जिताऊ पारी खेलने के अलावा राहुल ने मैच में एक अनोखा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया. वह आईपीएल में सबसे तेज 5000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए. राहुल ने 130 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की और डेविड वार्नर के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने 135 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी. इसके बाद विराट कोहली (157), एबी डिविलियर्स (161) और शिखर धवन (168) पारियों में आईपीएल में सबसे तेज 5000 रन पूरे करने वाले पांच बल्लेबाजों की सूची में शामिल हैं. उन्होंने प्रिंस यादव की गेंद पर एक रन लेकर यह उपलब्धि हासिल की. केएल राहुल के अर्धशतक ने डीसी को एलएसजी के खिलाफ मैच जिताने में अहम भूमिका निभाई. आईपीएल में केएल राहुल का प्रदर्शन शानदार रहा है, उन्होंने 130 पारियों में कुल 5006 रन बनाए हैं जिसमें 40 फिफ्टी और 4 सेंचुरी शामिल हैं.

भारत में औद्योगिक और वेयरहाउसिंग की मांग 2025 की पहली तिमाही में 15 प्रतिशत बढ़ी

बेंगलुरु(एजेंसी)। भारत के टॉप आठ शहरों में 2025 की पहली तिमाही में औद्योगिक और वेयरहाउसिंग की मांग 9 मिलियन वर्ग फीट पर मजबूत बनी रही, जिसमें सालाना आधार पर 15 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह जानकारी बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। दिल्ली-एनसीआर और चेन्नई ने मांग में बढ़त हासिल की, जो मिलाकर पहली तिमाही में कुल लीजिंग का लगभग 57 प्रतिशत था। कोलियर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में ग्रेड ए औद्योगिक और वेयरहाउसिंग स्पेस की मांग में शानदार वृद्धि दर्ज की गई। टॉप आठ शहरों में, इंजीनियरिंग क्षेत्र ने इस तिमाही में मांग को आगे बढ़ाया, जिसने कुल औद्योगिक और वेयरहाउसिंग स्पेस में लगभग 25 प्रतिशत का योगदान दिया, इसके बाद ई-कॉमर्स ने 21 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। इन दोनों क्षेत्रों ने हमेशा सबसे आगे रहने वाले 'थर्ड पार्टी लॉजिस्टिक्स (3पीएल)' प्लेयर्स की मांग को भी पीछे छोड़ दिया। रिपोर्ट में बताया गया है कि चेन्नई और बेंगलुरु में इंजीनियरिंग क्षेत्र में रहने वालों की ओर से मजबूत रुझान देखा गया, जबकि दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में ई-कॉमर्स कंपनियों की ओर से मांग दर्ज की गई। कोलियर्स इंडिया के औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स सेवाओं के प्रबंध निदेशक विजय गणेश ने कहा, ऑटोमोबाइल कंपनियों ने भी 1.3 मिलियन वर्ग फीट में ग्रेड ए औद्योगिक और वेयरहाउसिंग स्पेस खरीदा है। ये समग्र विकास के स्वस्थ संकेत हैं, जो बड़े स्तर पर मांग को दर्शाते हैं।

आरबीआई ने बैंकों के लिए नई एलसीआर गाइडलाइंस की जारी

मुंबई(एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नई लिक्विडिटी कवरेज रेशियो (एलसीआर) गाइडलाइंस जारी की हैं, जिसके तहत बैंकों को 1 अप्रैल, 2026 से इंटरनेट और मोबाइल बैंकिंग-इनेबल्ड रिटेल और स्मॉल बिजनेस कस्टमर डिपॉजिट पर 2.5 प्रतिशत का अतिरिक्त रन-ऑफ रेट आवंटित करना होगा। बैंकों को लिक्विडिटी एडजस्टमेंट फैसिलिटी (एलएएफ) और मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (एमएसएफ) के तहत मार्जिन आवश्यकताओं के अनुरूप सरकारी प्रतिभूतियों (स्तर 1 एचक्यूएलए) के बाजार मूल्य को भी एडजस्ट करना होगा। इसके अलावा, नई गाइडलाइंस में अन्य कानूनी संस्थाओं से होलसेल फंडिंग की संरचना को भी तर्कसंगत बनाया गया है। नतीजतन, ट्रस्ट (शैक्षणिक, धर्मार्थ और धार्मिक), पार्टनरशिप, एलएलपी आदि जैसी गैर-वित्तीय संस्थाओं से फंडिंग पर वर्तमान में 100 प्रतिशत की तुलना में 40 प्रतिशत की कम रन-ऑफ रेट लागू होगी। आरबीआई ने बयान में कहा, संशोधित गाइडलाइंस 1 अप्रैल, 2026 से लागू होंगी। इससे बैंकों को एलसीआर कैलकुलेशन के लिए अपने सिस्टम को नए मानकों में परिवर्तित करने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। रिजर्व बैंक ने 31 दिसंबर, 2024 तक बैंकों द्वारा दिए गए आंकड़ों के आधार पर उपरोक्त उपायों का प्रभावी विश्लेषण किया है। यह अनुमान लगाया गया है कि इन उपायों के प्रभाव से उस तिथि तक बैंकों के एलसीआर में समग्र स्तर पर लगभग 6 प्रतिशत अंकों का सुधार होगा। इसके अलावा, सभी बैंक न्यूनतम एलसीआर आवश्यकताओं को आराम से पूरा करना जारी रखेंगे। आरबीआई के एक बयान के अनुसार, उम्मीद है कि ये उपाय भारत में बैंकों की तरलता बढ़ाएंगे। आरबीआई के बयान में कहा गया है कि बैंकों की ओर से दिए गए फीडबैक की सावधानीपूर्वक जांच करने के बाद अंतिम एलसीआर गाइडलाइंस जारी की गई हैं। लिक्विडिटी कवरेज अनुपात बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बेसल समिति द्वारा विकसित एक रेगुलेटरी स्टैंडर्ड है। इसके लिए बैंकों को उच्च गुणवत्ता वाली लिक्विड संपत्तियों का एक बफर रखने की आवश्यकता होती है, जो 30 दिन के तनाव परिदृश्य में शुद्ध कैश आउटफ्लो को कवर कर सके।

कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल को न्यूज़वीक और स्टेटिस्टा ने 2025 में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों की वैश्विक रैंकिंग में शामिल किया

मुंबई: कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च इन्स्टिट्यूट, मुंबई को 2025 के विश्व के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों की प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला है। न्यूज़वीक द्वारा स्टेटिस्टा के सहयोग से यह सूचि बनाई गयी है। हॉस्पिटल की क्लिनिकल उत्कृष्टता, तकनीकी श्रेष्ठता और मरीज़-केंद्रित दृष्टिकोण के लिए यह एक महत्वपूर्ण मान्यता है। न्यूज़वीक और स्टेटिस्टा ने 30 देशों के 2,445 अस्पतालों का मूल्यांकन किया। यह मान्यता विश्व मंच पर अस्पताल के स्थान का संकेत है क्योंकि यह अस्पताल आधुनिक उपचार, वैयक्तिकरण और मरीज़-प्रथम देखभाल के माध्यम से दुनिया में सर्वश्रेष्ठ के अनुरूप स्वास्थ्य सेवा मानकों को फिर से परिभाषित करना जारी रखता है। कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च इन्स्टिट्यूट भारत में सर्वश्रेष्ठ रैंक वाले अस्पतालों में से एक है। विश्व के सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों की रैंकिंग एक अत्यधिक विश्वसनीय और सम्मानित वैश्विक मूल्यांकन है जो क्लिनिकल प्रदर्शन, मरीज़ों को मिलने वाले अनुभव, अस्पताल की गुणवत्ता संकेतक और मेडिकल पेशेवरों के एक वैश्विक पैनल से इनपुट सहित कई महत्वपूर्ण मापदंडों पर अस्पतालों का मूल्यांकन करता है। कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल को इस खास सूचि में शामिल किया जाना, देखभाल और सुरक्षा में वैश्विक मानदंडों के साथ उनकी अनुरूपता को दर्शाता है। यह सन्मान अस्पताल के डॉक्टरों, नर्सों, विशेषज्ञों और सहायक कर्मचारियों की समर्पित टीम के प्रयासों की वजह से हासिल हुआ है, जो साथ मिलकर करुणा, आधुनिक उपचार और क्लिनिकल सटीकता की संस्कृति को बनाए रखते हैं। अस्पताल की विश्व स्तरीय बुनियादी सुविधाएं, आधुनिक तकनीक, एक मज़बूत पूर्णकालिक विशेषज्ञ प्रणाली और मल्टी-डिसिप्लिनरी देखभाल के साथ-साथ डिजिटल स्वास्थ्य प्लेटफ़ॉर्म, ्रढ्ढ-संचालित डायग्नोस्टिक्स और न्यूनतम इनवेसिव इलाज जैसी उन्नत तकनीकों का एकीकरण मरीज़ों की देखभाल की नयी परिभाषा रच रहा है।

प्लम्बेक्स इंडिया 2025 का नई दिल्ली में उद्घाटन

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 2019 में, बेहतर स्वच्छता के कारण दुनिया भर में 2014 की तुलना में डायरिया से 3 लाख कम मौतें हुईं। फिर भी, दुनिया भर में 1.8 अरब से अधिक लोगों को अभी भी सुरक्षित पेयजल की पहुँच नहीं है, और भारत की लगभग 40त्न आबादी — जिसमें अनुमानित 16.3 करोड़ लोग बुनियादी पेयजल सेवाओं से वंचित हैं, लोग जल की समस्या से जूझ रहे हैं, यह स्थिति जल प्रबंधन, स्वच्छता और स्वास्थ्य-विज्ञान में इनोवेशन की तत्काल आवश्यकता को दर्शाती है। इस महत्वपूर्ण पृष्ठभूमि के सन्दर्भ में, प्लंबेक्स इंडिया 2025 का आज भारत मंडपम, नई दिल्ली में उद्घाटन किया गया, जिसने देश की जल चुनौतियों के लिए स्थायी समाधानों में तेजी लाने के लिए भारत के प्रमुख मंच के रूप में इस आयोजन की भूमिका की पुष्टि की।

प्लम्बेक्स इंडिया को भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय और अमृत 2.0 मिशन (अटल मिशन फॉर रेज्युवनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन), आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा नवीन प्लंबिंग सॉल्यूशंस और वाटर मैनेजमेंट टेक्नोलॉजीज को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए समर्थन दिया गया है।

इंडियन प्लंबिंग एसोसिएशन (आईपीए) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम (24-26 अप्रैल) में 125 से अधिक एक्ज़ीबाइटर्स, पालिसी मेकर्स और ग्लोबल एक्सपर्ट्स भारत के जल संकट को दूर करने में इनोवेशन और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक मंच पर आ रहे हैं। इंडियन प्लंबिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री गुरमीत सिंह अरोड़ा ने प्लंबिंग की परिवर्तनकारी भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा, स्वच्छ जल और स्वच्छता तक पहुँच सार्वजनिक स्वास्थ्य, समुदायों की सुरक्षा और टिकाऊ भविष्य को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। स्वच्छ भारत मिशन ने 2014 और 2019 के बीच अनुमानित 300,000 डायरिया से होने वाली मौतों को होने से बचा लिया है। अब, प्लम्बेक्स इंडिया 2025 जैसी पहलों के माध्यम से हम जल सुरक्षा प्राप्त करने और सभी के लिए समान पहुँच सुनिश्चित करने हेतु तकनीक और साझेदारियों का लाभ उठा रहे हैं। स्थायी जल प्रबंधन के लिए स्थापित, प्लम्बेक्स इंडिया 2025 जल संसाधन के बुनियादी ढांचे को सशक्त करने की दिशा में वैश्विक प्रगति को आगे बढ़ाएगा। यह प्रमुख आयोजन शहरी और ग्रामीण परिदृश्यों में दक्षता को पुनर्परिभाषित करने वाले इंटेलिजेंट वॉटर सेविंग आंड वॉटर एफीशियेंट सैनिटरी फिक्स्चर और सैनिटरीवेयर से लेकर मापनीय तकनीकों पर प्रकाश डालने वाले अन्वेषक और जल प्रबंधन और प्लंबिंग उत्पाद निर्माता को एकजुट करता है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शुक्रवार 25 अप्रैल 2025

रायपुर आएंगे देशभर से 128 दिव्यांग खिलाड़ी, साव ने दी जानकारी

रायपुर (विसं)। देशभर से 128 दिव्यांग खिलाड़ी रायपुर आएंगे। अहम जानकारी साझा करते डिप्टी सीएम अरुण साव ने बताया, निवास कार्यालय रायपुर में डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट कार्उसिल ऑफ इंडिया के कोर कमिटी मेंबर अभिषेक सिंह एवं छत्तीसगढ़ दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी श्रीमंत झा, मेंबर कृष्णमूर्ती ने सौजन्य भेंट की। 8 से 14 मई तक रायपुर के अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होने वाले श्री अटल बिहारी वाजपेयी मेमोरियल राष्ट्रीय टी-20 दिव्यांग क्रिकेट टूर्नामेंट (संस्करण-2) के लिए आमंत्रण किया। इस टूर्नामेंट में देशभर से आए 128 दिव्यांग खिलाड़ी जब मैदान में उतरेंगे, तो यह सिर्फ क्रिकेट का मुकाबला नहीं, बल्कि हौसले एवं उम्मीद की एक नई कहानी भी लिखी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

नेशनल फेडेरेशन आफ स्टेट को-आपरेटिव बैंक्स के तत्वाधान में पोर्ट ब्लेयर में दो दिवसीय नेशनल सेमिनार सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। नेशनल फेडेरेशन आफ स्टेट को-आपरेटिव बैंक्स (नेफसकाब) के तत्वाधान में अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अवसर पर पोर्ट ब्लेयर में नेशनल सेमिनार का दो दिवसीय दिनांक 23.04.2025 से 24.04.2025 तक आयोजित किया गया। इस आयोजन में देश के राज्य सहकारी बैंकों के 33 प्रतिनिधिगण भाग लिए। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इस वर्ष 2025 को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष घोषित किया गया है। छत्तीसगढ़ से राज्य सहकारी बैंक के प्रबंधक श्री अभिषेक तिवारी एवं लेखा अधिकारी श्री प्रभाकर कांत यादव इस राष्ट्रीय सेमिनार में प्रतिनिधि के रूप में भाग लिए है। इस सेमिनार में छत्तीसगढ़ में सहकार से समृद्धि पर केन्दित वीडियो का प्रदर्शित किया गया तथा प्रगति पर व्याख्यान दिया गया। साथ ही छत्तीसगढ़ में की जाने वाली मासिक गतिविधियों पर आधारित वार्षिक कैलेन्डर प्रदर्शित किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य में सहकार से समृद्धि पर मासिक कार्ययोजना निर्धारित कर किये जा रहे कार्यों पर नेफसकाब के प्रबंध संचालक श्री बी.सुब्रमण्यम तथा अंडमान निकोबार राज्य सहकारी बैंक के प्रबंध संचालक श्री मुरुगन जी द्वारा छत्तीसगढ़ सहकारिता विभाग को बधाई व शुभकामनाएं दी गई साथ ही श्री सुब्रमण्यम ने कहा कि छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जहाँ सहकार से समृद्धि की पहलो पर तय कार्यो तथा गतिविधियों पर अग्रणी राज्य है और यह अन्य राज्यो के लिए अनुकरणीय है।

कैट की राष्ट्रीय गवर्निंग काउंसिल की दो दिवसीय बैठक के लिए कैट छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधिमंडल भुवनेश्वर रवाना

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी ने बताया कि कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी के नेतृत्व में कैट छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधी मंडल भुवनेश्वर रवाना। कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी ने बताया कि आज कैट छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधी मंडल भुवनेश्वर रवाना हो रहा है। उन्होनें आगे बताया कि कैट की राष्ट्रीय गवर्निंग काउंसिल की 25 एवं 26 अप्रैल के दो दिवसीय बैठक में देश भर के लगभग 150 से अधिक व्यापारी नेता भुवनेश्वर में एकत्रित होगें एवं व्यापारिक विषय पर चर्चा होगी।

देश को इस्पात उत्पादन का वैश्विक केन्द्र बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगा छत्तीसगढ़ : मंत्री लखन लाल देवांगन

छत्तीसगढ़ के उद्योग मंत्री देवांगन ने मुंबई में आयोजित इंडिया स्टील 2025 सम्मेलन में भाग लिया

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने मुंबई में आयोजित इंडिया स्टील 2025 सम्मेलन में भाग लिया। जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2030 तक 300 मिलियन टन इस्पात उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने में छत्तीसगढ़ की केंद्रीय भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा देश को इस्पात उत्पादन का वैश्विक केन्द्र बनाने में छत्तीसगढ़ अग्रणी भूमिका निभाएगा। इस दौरान उन्होंने राज्य के इस्पात उद्योग के विकास के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त की और उद्योगपतियों को राज्य के विकास में सक्रिय भागीदार बनने का आह्वान किया।

यह सम्मेलन 24 से 26 अप्रैल 2025 तक बॉम्बे एग्जिबिशन सेंटर (NESCO), मुंबई में आयोजित किया गया है। यह आयोजन भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय और भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (स्नङ्कष्टष्टढ्ढ) के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान इस्पात एवं भारी उद्योग राज्य मंत्री श्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा भी उपस्थित रहे।

उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ स्टील कैपिटल ऑफ इंडिया है। हमारे पास देश के लौह भंडार का 18 प्रतिशत है। हमारे यहां की बैलाडीला खदानों से निकलने वाले लौह अयस्क को गुणवत्ता के मामले में दुनिया में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है। उन्होंने कहा ग्रीन स्टील से जुड़ी तकनीक को अपनाने में छत्तीसगढ़ देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। उन्होंने बताया स्टील सेक्टर की बड़ी संभावनाओं को देखते हुए ही हमने प्रदेश में नई औद्योगिक नीति बनाई है। इस नीति में स्टील जैसे कोर सेक्टर पर सबसे ज्यादा फोकस है। हम स्पंज आयरन और स्टील यूनिट्स पर 150 प्रतिशत तक इंसेटिव और छूट दे रहे हैं। सिंगल विंडो सिस्टम, इज आफ डूइंग बिजनेस और स्पीड आफ बिजनेस का सबसे अधिक लाभ स्टील सेक्टर को मिल रहा है। बस्तर में नगरनार स्टील प्लांट के पास एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए हम 118 एकड़ क्षेत्र में नया औद्योगिक क्षेत्र स्थापित कर रहे हैं। श्री देवांगन ने कहा कि हमने दिल्ली, मुंबई, बंगलुरू और रायपुर में इंवेस्टमेंट समिट किये हैं जिसमें साढ़े चार लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इन निवेश प्रस्तावों का क्रियान्वयन त्वरित गति से किया जा रहा है। हाल ही में सेमीकंडक्टर प्लांट का भूमिपूजन इसका बेहतरीन उदाहरण है। उन्होंने बताया नई औद्योगिक नीति के तहत सर्वाधिक निवेश प्राप्त करने वाले राज्यों में छत्तीसगढ़ शीर्ष दस राज्यों में शामिल हो चुका है।

सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार, संचालक प्रभात मलिक, सीएसआईडीसी के प्रबंध संचालक अभिषेक अग्रवाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

रेलवे सुरक्षा बल रायपुर मंडल द्वारा 'ऑपरेशन महिला सुरक्षा' के मद्देनज़र नुक्कड़ नाटक द्वारा जागरूकता

अकेली महिला यात्री को यात्रा के समय जागरूक रहने के लिए मेरी सहेली नुक्कड़ नाटक का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। आज दिनांक 24.04.2025 को रेलवे बोर्ड नई दिल्ली के निर्देशों का अनुपालन करते हुए महानिरीक्षक/ रेलवे सुरक्षा बल/बिलासपुर एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा बल रायपुर महोदय के मार्गदर्शन पर रेलवे सुरक्षा बल, रायपुर मंडल के बल सदस्यों द्वारा ऑपरेशन महिला सुरक्षा के मध्य नजर रेलवे स्टेशन रायपुर प्लेटफार्म नंबर 1 में मैंन गेट के पास नुक्कड़ नाटक मेरी सहेली प्रस्तुत किया गया। नाटक के माध्यम से बल सदस्य द्वारा अकेली महिला यात्री सफर के दौरान यदि किसी अवांछिनी तत्व/ यात्री के द्वारा किसी प्रकार की छेड़छाड़ व परेशान करते हैं तथा उनकी सुरक्षा में संकट होने पर किस तरह रेल मदद टोल फ्री नंबर 139 के माध्यम से मदद ले सकती है और सफर के दौरान महिला यात्री की मदद के लिए रेलवे सुरक्षा बल द्वारा किस प्रकार सहायता प्रदान किया जाता है इस के बारे में जागरूक किया गया हैं। उन्हें यह भी आश्वत किया गया है कि रेलवे प्रशासन एवं रेलवे सुरक्षा बल उनकी सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर है।

महापौर मीनल चौबे की समाज कल्याण योजनाओं के 30 हजार पात्र हितग्राहियों को समय पर नियमित पेंशन दिलवाने अभिनव पहल

रायपुर (विश्व परिवार)। आज नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे ने शहरी एवं गरीबी उपशमन विभाग की बैठक में सभी एमआईसी सदस्यों और जोन अध्यक्षगणों से चर्चा और विचार ङ्क विमर्श करते हुए राजधानी शहर में सरकार की समाज कल्याण योजनाओं के माध्यम से पेंशन हेतु पात्र लगभग 30 हजार गरीब हितग्राहियों को प्रतिमाह नियमित रूप से व्यवस्थित तरीके से पेंशन दिलवाने समाजहितकारी अभिनव पहल की है. महापौर ने बैठक में बैंकों द्वारा पेंशन हितग्राहियों के लिए वार्डों में लगाए जाने वाले शिविरों को नगर निगम रायपुर के सामुदायिक भवनों में लगाया जाना सुनिश्चित करने, शिविर स्थलों पर पंडाल, पानी और कुर्सियों की व्यवस्था बैंकों के माध्यम से सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिए है. महापौर मीनल चौबे ने अपर आयुक्त राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता और उपायुक्त डॉक्टर अंजलि शर्मा को सभी पात्र लगभग 30 हजार पेंशन हितग्राहियों को समय पर नियमित पेंशन दिलवाने नए सिरे से भुगतान प्रक्रिया का सरलीकरण करने के सम्बन्ध में सुझाव दिया है कि यदि सम्भव हो सके, तो विधानसभा क्षेत्र वार 4 नए बैंकों के माध्यम से पात्र लगभग 30 हजार गरीब हितग्राहियों को पेंशन राशि के भुगतान की व्यवस्था प्रशासनिक तौर पर करवाया जाना सुनिश्चित करवा सकते हैं. ऐसा करना सम्भव होने पर समय पर और नियमित पेंशन भुगतान बैंकों के माध्यम से करने की दृष्टि से एक बेहतर विकल्प हो सकता है. ऐसा व्यवहारिक तौर पर सम्भव होने पर महापौर ने इसे लागू करवाने का सुझाव समाज हित में दिया है. बैठक में उपस्थित एमआईसी सदस्यों और जोन अध्यक्षगणों के सुझाव पर निर्णय लेते हुए महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि आईडीबीआई बैंक से जो हितग्राहियों के बैंक खाते को बदलकर बैंक ऑफ बड़ौदा में किया जा रहा था, उसमें ग्रीष्म ॠतु तक कोई बदलाव नहीं किया जायेगा और ग्रीष्म ॠतु के पश्चात इस पर निर्णय लिया जायेगा.गर्मी के दौरान वर्तमान व्यवस्था कायम रखे जाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकिपात्र गरीब हितग्राहियों को गर्मी के दौरान बैंक खाते बदलने को लेकर किसी असुविधा का सामना ना करना पड़े. महापौर ने स्पष्ट निर्देशित किया है कि ग्रीष्म ॠतु पश्चात होने वाली बैठक में शहरी गरीबी उपशमन विभाग के सम्बंधित अधिकारी पूर्ण जानकारी के साथ समीक्षा बैठक में आएं, यह वे हर हाल में सुनिश्चित कर लेवें, ताकि समाज हित में स्पष्ट निर्णय पात्र गरीब हितग्राहियों के कल्याणार्थ लिया जा सके. महापौर मीनल चौबे ने निर्देशित किया है कि केन्द्र सरकार की समाज हितेषी प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना का लाभ आमजनों तक पहुंचाये जाने में यदि बैंकों को कोई समस्याओं का सामना करना पड़े, तो इसे लेकर तत्काल लिखित आवेदन दिया जाये.

कल लॉन्च होने जा रहा है रहेजा ग्रुप का प्रोजेक्ट 'रहेजा अम्बारा'

रहेजा ग्रुप का नया प्रीमियम प्लॉटिंग प्रोजेक्ट- सुविधा, लाइफ स्टाइल और कनेक्टिक्टविटी का बेहतरीन मेल

26 और 27 अप्रैल को बुक कर ग्राहक उठा सकेंगे लॉन्च बेनिफिट्स का लाभ

Raheja AMBARA
PREMIUM RESIDENTIAL PLOTS

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के जाने-माने रियल एटेट डेवलपर रहेजा ग्रुप द्वारा राजधानी रायपर के पिरदा क्षेत्र में प्रीमियम रेसिडेंशियल प्लॉटिंग प्रोजेक्ट 'रहेजा अम्बारा' कल लॉच होने जा रहा है। इस दो दिवसीय लॉन्च इवेंट में ग्राहक बुकिंग करने पर विशेष लॉन्च बेनेफिट्स का लाभ उठा सकते हैं।

'लिव लाइफ लिमिटलेस' की सोच पर बना यह प्रोजेक्ट ऐसी जीवन शैली देता है जिसमें आराम, आधुनिक सुविधाएँ, अच्छी कनेक्टिविटी और हर उम्र के लोगों के लिए ज़रूरी चीजें एक ही जगह मिलती हैं।

रहेजा अम्बारा की मुख्य विशेषता इसके चार बेहतरीन गार्डन्स हैं, जिन्हें प्रत्येक सेक्टर में इस प्रकार विकसित किया गया है कि निवासियों को प्रकृति के और निकट रहने का अनुभव मिले। इसके साथ ही इस प्रोजेक्ट में एक अत्याधुनिक क्लब हाउस की सुविधा होगी, जिसमें स्विमिंग पूल, इंडोर बैडमिंटन कोर्ट, टॉडलर्स प्ले एरिया, इंडोर गेम्स ज़ोन, बैंकेट हॉल, मिनी थिएटर, वेल इक्विप्ड जिम और गेस्ट रूम जैसी प्रमुख सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

खेल प्रेमियों के लिए प्रोजेक्ट में लॉन टेनिस कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट, पिकलबॉल कोर्ट और स्केटिंग रिंक जैसी आउटडोर स्पोर्ट्स सुविधाएं भी शामिल की गई हैं। अन्य प्रमुख सुविधाओं में किड्स प्ले एरिया, ओपन जिम, मंदिर और सुंदर लैंडस्केप्ड गार्डन्स शामिल हैं, जो निवासियों को एक सम्पूर्ण और संतुलित जीवनशैली प्रदान करते हैं।

लोकेशन की दृष्टि से यह प्रोजेक्ट बेहतरीन कनेक्टिविटी के साथ स्थित है। रायपुर एयरपोर्ट, नेशनल हाईवे, नया रायपुर, विधानसभा रोड के अलावा, यह शहर के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों, मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल्स और विभिन्न शॉपिंग डेस्टिनेशन्स से भी बेहतरीन कनेक्टिविटी प्रदान करता है। रहेजा अम्बारा यह प्रोजेक्ट RERA रजिस्टर्ड है और सभी शासकीय अनुमतियों से अनुमोदित है।

पिछले दो दशकों से रायपुर में लगातार गुणवत्ता, समयबद्धता और ग्राहक संतुष्टि के मूल सिद्धांतों पर काम करते हुए रहेजा ग्रुप ने 12 से अधिक प्रोजेक्ट्स को सफलतापूर्वक पूरा किया है। रहेजा निर्वाणा के तीनों फेज़ को मिले जबरदस्त प्रतिसाद के बाद, अब 'रहेजा अम्बारा' के माध्यम से रहेजा ग्रुप एक बार फिर रियल एस्टेट में नए मानक स्थापित करने जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में विष्णु के सुशासन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार बच्चों और महिलाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ पूर्ण पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित करने के लिए कटिबद्ध है। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने गुरुवार को धमतरी और कांकेर जिलों में आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण कर इस प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा, विष्णु के सुशासन में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं होगी। धमतरी जिले के ग्राम तेलिनसत्ती में आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-2 का दौरा करते हुए श्रीमती राजवाड़े ने बच्चों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने बच्चों के साथ फर्श पर बैठकर खेल-खेल में परिचय किया, उनके नाम पूछे और चॉकलेट बांटी। बच्चों से नाश्ता व भोजन के बारे में जानकारी लेते हुए उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्धारित समय पर भोजन और नाश्ता देने के निर्देश दिए।

कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने जिले के अधिकारियों की बैठक ली

सुशासन तिहार के आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के दिए निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने आज कलेक्टोरेट स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में जिले के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की और जल्द गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने को कहा।

बैठक में कलेक्टर डॉ. सिंह ने जिले में भवनविहीन आंगनबाड़ी केंद्रों को चिन्हित कर तहसील में राजस्व विभाग के सहयोग से खाली जमीन ढूंढकर उसका नक्शा-खसरा संबंधी इत्यादि प्रक्रिया पूर्ण कर जल्द भवन निर्माण करने निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि जहां जमीन न हो, वहां स्कूल या सामुदायिक भवन में आंगनबाड़ी संचालित करना सुनिश्चित करें।

शहर में बढ़ते ट्रैफिक के दबाव को देखते हुए कलेक्टर डॉ. सिंह ने नए कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स में पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि पुराने कॉम्प्लेक्स जहां पार्किंग में दुकान संचालित हो रही हो, उनपर कार्रवाई कर हटाया जाए।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354